RNI .NO. MPBIL / 2013/ 54381

संपादकः- डॉ. देवेन्द्र मालवीय

11 वर्ष

दैनिक

सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

www.sadbhawnapaati.com Email: sadbhawnapaatinews@gmail.com इंदौर, गुरुवार ●25 अप्रैल , 2024 वर्षः-11 अंक - 357 मूल्य -1 रु. कुल पृष्ठ - 8

जनरल कोच के यात्रियों को अब 20 रुपए में मिलेगा भोजन

भारतीय रेलवे की बड़ी पहल,आईआरसीटीसी का भी मिला साथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहली बार जनरल कोच के रेल यात्रियों को प्लेटफॉर्म पर 20 रुपये में पूड़ी-सब्जी और 50 रुपये में किफायती भोजन के पैकेट मिलेंगे। गर्मी की छुट्टियों को लेकर ट्रेनों में बढ़ती भीड़ के मद्देनजर रेलवे ने अस्थायी खाने के काउंटर खोले हैं। यात्रियों के लिए ट्रेन के दो मिनट के ठहराव में खाने के लिए जनरल कोच से बाहर निकलना मुश्किल होता है। रेलवे अधिकारी ने भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम के साथ मिलकर यात्रियों, विशेषकर अनारक्षित डिब्बों में मुसाफिरों की सेवा के लिए एक नई पहल की है। रेलवे बोर्ड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि 100 स्टेशनों के लगभग 150 प्लेटफॉर्म पर खाने के काउंटर खोले गए हैं। इस

सुविधा का और विस्तार किया जाएगा। रेलवे जनरल कोच के यात्रियों को पेयजल मुहैया कराने की व्यवस्था पहले की कर चुका है। अधिकारी ने बताया कि इस बार रिकॉर्ड संख्या में यात्री ट्रेनों से सफर कर रहे हैं। सामान्य कोच में भी यात्रियों की संख्या बढ़ी है। ट्रेन रुकने के बाद भी सामान्य कोच के यात्री डिब्बे से बाहर नहीं निकल पाते हैं। उन्होंने कहा कि पिछले साल लगभग 51 स्टेशनों पर इस सेवा का सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया था। अधिकारी ने कहा, आगे बढ़ते हुए रेलवे ने कार्यक्रम का महत्वपूर्ण रूप से विस्तार किया है, अब 100 से अधिक स्टेशनों पर काउंटर चालू हो गए हैं। कुल मिलाकर लगभग 150 काउंटर हैं। निकट भविष्य में और अधिक स्टेशनों को शामिल करते हुए इस पहल को और आगे बढ़ाने की योजना है।

संक्षिप्त समाचार

कर्नाटक में मुस्लिम आरक्षण को लेकर घिरी कांग्रेस

- एनसीबीसी ने जारी किए आंकड़े, बीजेपी हुई हमलावर

बेंगलुरु (एजेंसी)। देश के संसाधनों पर मुस्लिमों के पहले हक को लेकर छिड़ी बहस के बीच कर्नाटक की सिद्धारमैया सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। राज्य सरकार ने मुसलमानों की सभी जातियों और समुदायों को राज्य सरकार के तहत रोजगार और शैक्षणिक संस्थानों में आरक्षण के लिए ओबीसी की लिस्ट में शामिल किया है। इस बात की जानकारी खुद राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग यानी कि एनसीबीसी के द्वारा दी गई है। कर्नाटक सरकार के पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग का कहना है कि मुस्लिम और ईसाई जैसे समुदाय न तो जाति हैं और न धर्म। 2011 की जनगणना के मुताबिक, राज्य में मुस्लिम आबादी केवल 12.92 फीसदी ही है। इसलिए इन्हें अल्पसंख्यक की श्रेणी में रखा जाता है।

बंगाल में एक ही स्कूल के 36 टीचरों की चली गई नौकरी

- शिक्षक भर्ती घोटाले पर कोलकाता हाईकोर्ट के फैसले ने ली जॉब

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाला मामले में कलकत्ता हाई कोर्ट ने एक झटके में 26000 शिक्षकों और गैर शिक्षकों को तत्काल नौकरी से निकालने के आदेश दे चुकी है। एक ही समय में प्रदेशभर में इतने बड़े पैमाने पर नौकरी चले जाने से शिक्षा विभाग के सामने स्कूलों को चलाने का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। कई स्कूलों में एक साथ दर्जनों शिक्षकों की नौकरी चली गयी। मुर्शिदाबाद जिले के फरक्का में ऐसे कई स्कूल हैं जहां बड़े पैमाने पर शिक्षकों ने नौकरी खो दी है। अर्जुनपुर

हायर सेकेंडरी स्कूल में एक साथ 36 टीचरों की नौकरी चली गई। स्कूल में बच्चों की तादाद 10 हजार से ज्यादा है। कलकत्ता हाई कोर्ट के फैसले को अवैध बताते हुए पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सुप्रीम कोर्ट जाने की बात तो कह चुकी हैं लेकिन, अभी हाईकोर्ट के आदेश के बाद ताजा हालात बेहद चिंताजनक हैं। हाई कोर्ट ने अपने फैसले में ममता कैबिनेट पर सवाल उठाए थे और टिप्पणी की थी कि सरकार को भी इस पूरे घोटाले की जानकारी थी, इसके बावजूद यह सब किया गया। स्कूलों में बड़े पैमाने पर नौकरी चले जाने के बाद स्कूलों को चलाने का संकट पैदा हो गया है।

सागर में कहा-कर्नाटक में धर्म के आधार पर आरक्षण दिया, गैर कानूनी तरीके से चालाकी की

कांग्रेस ओबीसी की सबसे बड़ी दुश्मन: मोदी

भोपाल। सागर में प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर बड़ा हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस धर्म के आधार पर आरक्षण देना चाहती है। कांग्रेस ने कर्नाटक में धर्म के आधार पर आरक्षण दे दिया। कांग्रेस ने गैर कानूनी तरीके से एक चालाकी की है। पीएम मोदी मध्यप्रदेश के बड़तूमा में चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ओबीसी वर्ग की सबसे बड़ी दुश्मन है। कांग्रेस ने ओबीसी से उनका हक छीन लिया है। कांग्रेस ने सामाजिक न्याय की हत्या की है। संविधान की भावना को ठोकर पहुंचाई है। बाबा साहेब का घोर अपमान किया है। मोदी ने कहा- कर्नाटक में कांग्रेस ने धर्म के आधार पर आरक्षण दे दिया है। इसके लिए गैर कानूनी तरीके से एक चालाकी की है। मुसलमान की सभी जातियों को ओबीसी कोटे में डाल दिया है। कांग्रेस ने इन सबको ओबीसी में डालकर ओबीसी को जो हक मिलता था उसका बहुत बड़ा हिस्सा उसने छीन लिया। पीएम मोदी ने कहा- कांग्रेस हमारी आस्था पर हमले करती है। अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा को ठुकरा दिया। कांग्रेस को मंदिर और मंदिर जाने वालों से भी दिक्कत है। कांग्रेस ने सागर में बन रहे महान दलित संत रविदास के मंदिर का भी विरोध किया। ऐसी सोच वाली कांग्रेस को एमपी से दूर रखने में ही भलाई है। मोदी ने

कहा- कांग्रेस का हिडन एजेंडा बाहर आया है। कांग्रेस इन हेरिटेंस टैक्स लेगी। आपके पूर्वजों ने जो संपत्ति बचाई जो आपको मिली है। अब कांग्रेस कहती है कि आप अपनी संतानों को वो संपत्ति नहीं दे सकते। करीब-करीब आधी संपत्ति कांग्रेस की सरकार बनेगी तो कानूनन आपसे लूट लेगी। मोदी ने कहा- ये मुझसे सवाल पूछते है, 400 पार क्यों। मैं जवाब देता हूं। आप जो राज्यों में हथकंडे अपना रहे हो। दलित, आदिवासी, ओबीसी के आरक्षण चोरी करने का खेल खेल रहे हो। आपके ये खेल बंद करने के लिए मोदी को 400 पार चाहिए। मुझे दलित, आदिवासी और ओबीसी के आरक्षण की रक्षा करनी है। पीएम मोदी ने कहा- देश के विकास के लिए एक स्थिर और मजबूत सरकार कितनी जरूरी होती है। ये मध्यप्रदेश और सागर के लोग बहुत अच्छे से जानते हैं। विकास तब होता है, जब सही नीतियां हो, सही विजन हो। इसलिए देश हो या मध्यप्रदेश विकास तभी आया जब कांग्रेस गई और भाजपा आई। पीएम मोदी ने हरदा में कहा- पहले मोदी जब भी आता था, तो कुछ न कुछ लेकर आता था। आज मैं देने के लिए नहीं आया। आज मैं आपसे कुछ मांगने आया हूं। सर झुकाकर मांगने के लिए आया हूं। मेरे लिए नहीं, आपके बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए मांगने आया हूं।

माता-पिता से मिलने वाली संपत्ति पर भी टैक्स लगाएगी कांग्रेस

- छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर में पीएम मोदी का कांग्रेस पर बड़ा हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस पर सबसे बड़ा हमला बोल दिया है। सैम पित्रोदा के विरासत टैक्स वाले बयान पर पीएम ने एक जनसभा में कहा है कि कांग्रेस अब माता-पिता से मिलने वाली संपत्ति पर भी टैक्स लगाने का काम करने वाली है। पीएम मोदी ने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि उसने खुद एक परिवार से दूसरे परिवार को सत्ता ट्रांसफर की है, लेकिन देश के लोगों को ऐसा करने से रोका जा रहा है। पीएम मोदी ने छत्तीसगढ़ के सरगुजा में कहा कि शाही परिवार के शहजादे के सलाहकार ने कुछ समय पहले कहा था कि मिडिल क्लास पर और ज्यादा टैक्स लगाना चाहिए।

लड़कियों ने फिर दिखाया दम, बोर्ड रिजल्ट में छाई

- एमपी बोर्ड 10वीं और 12वीं का रिजल्ट जारी, छात्राएं फिर रहीं अव्वल
- मंडला की अनुष्का अग्रवाल10वीं बोर्ड में टॉपर, 41.9 फीसदी छात्र फेल

भोपाल। माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्यप्रदेश ने 10वीं बोर्ड का रिजल्ट जारी कर दिया है। इस साल 58.10 फीसदी स्टूडेंट्स पास हुए हैं। जबकि 41.9 फीसदी स्टूडेंट्स फेल हो गए। यह पिछले साल से 5.19 प्रतिशत कम है। मेरिट में 82 स्टूडेंट्स हैं। इनमें 37 छात्र और 45 छात्राएं हैं। मंडला के नैनपुर की रहने वाली अनुष्का अग्रवाल ने प्रदेश में टॉप किया है। उन्हें 500 में से 495 अंक मिले हैं। मैथ्स और साइंस सब्जेक्ट में अनुष्का ने 100 में से 100 अंक हासिल किए हैं। सरकारी स्कूलों में सबसे अच्छा रिजल्ट नरसिंहपुर जिले का रहा। यहां 81.02 फीसदी बच्चे पास हुए हैं। सबसे खराब रिजल्ट दमोह का रहा। यहां 39.14 फीसदी बच्चे पास हुए हैं। इसी तरह प्राइवेट स्कूलों में दमोह ने ही सबसे अच्छा प्रदर्शन किया। 80.05 फीसदी बच्चे पास हुए। प्राइवेट स्कूलों में भिंड में सबसे कम 46.75 फीसदी रहा। इस साल 9.65 लाख स्टूडेंट्स ने दी परीक्षा थी। इस परीक्षा के लिए प्रदेशभर में कुल 3,868 एग्जाम सेंटर बनाए गए थे। 2024 में 9 लाख 65 हजार हजार छात्रों परीक्षा दी है। इस परीक्षा के लिए प्रदेशभर में कुल 3,868 एग्जाम सेंटर बनाए गए थे। माध्यमिक शिक्षा मंडल बोर्ड की वेबसाइट पर देख सकते हैं। 12वीं की तरह 10वीं में भी पिछले 5 सालों में छात्राओं ने छात्रों से बेहतर परफॉर्म किया है।

अमेठी से राहुल, रायबरेली से प्रियंका का चुनाव लड़ना तय

कांग्रेस ने इंटरनल सर्वे के बाद लिया फैसला, 26 अप्रैल के बाद होगा ऐलान

लखनऊ (एजेंसी)। अमेठी से राहुल गांधी और रायबरेली से प्रियंका गांधी का चुनाव लड़ना तय है। कांग्रेस ने इन दोनों सीटों पर इंटरनल सर्वे कराया। इसकी रिपोर्ट के आधार पर तय हुआ कि दोनों सीटों पर गांधी परिवार से ही प्रत्याशी उतारा जाएगा। प्रियंका अगर रायबरेली से उतरती हैं तो यह उनका पहला चुनाव होगा। राहुल वायनाड (केरल) से चुनाव लड़ रहे हैं, वहां 26 अप्रैल को वोटिंग है। इसके बाद कांग्रेस कभी भी अमेठी और रायबरेली से प्रत्याशियों का ऐलान कर देगी। दोनों सीटों पर नामांकन की आखिरी तारीख 3 मई है, यहां पांचवें फेज में 20 मई को वोटिंग होगी। सूत्रों के मुताबिक, राहुल-प्रियंका 30 अप्रैल तक नामांकन कर सकते हैं। अमेठी और रायबरेली सीट पर मार्च के पहले हफ्ते से लेकर 15 अप्रैल तक इंटरनल सर्वे कराया गया। इसमें पार्टी वर्कर्स और निजी एजेंसी भी शामिल हुई। इसमें दो सवाल पूछे गए। राहुल/प्रियंका को लेकर आप क्या सोचते हैं। कांग्रेस सरकार में अमेठी/रायबरेली में किए गए कामों से आप कितना संतुष्ट हैं। इस सवाल पर पंचायत स्तर पर पहुंचकर लोगों का भी फीडबैक लिया गया। रिपोर्ट में आया कि गांधी परिवार को लेकर पॉजीटिव रिस्पॉन्स है। सर्वे के मुताबिक, अमेठी से राहुल और रायबरेली से प्रियंका गांधी चुनाव जीत सकते हैं। दोनों सीटों की जनता गांधी परिवार को लेकर बहुत ही संवेदनशील है। कांग्रेस के सीनियर नेता मानते हैं कि अमेठी और रायबरेली कांग्रेस की पारंपरिक सीटें हैं और यहां से गांधी परिवार के सदस्य को ही चुनाव लड़ना चाहिए। गांधी परिवार के बजाय किसी और चेहरे को उतारा तो पार्टी हार सकती है।

रीवा की अंशिका मिश्रा, विदिशा की मुस्कान दांगी बनीं ओवरऑल टॉपर

12वीं की आर्ट स्ट्रीम में जयंत यादव अव्वल, इस साल 35.51 फीसदी स्टूडेंट्स फेल

भोपाल। माध्यमिक शिक्षा मंडल ने 12वीं बोर्ड परीक्षा के नतीजे घोषित कर दिए हैं। इस साल 64.49 प्रतिशत नियमित और 22.46 प्रतिशत प्राइवेट स्टूडेंट पास हुए हैं। अंशिका मिश्रा ने मैथ्स-साइंस स्ट्रीम में 500 में से 493 और मुस्कान दांगी ने कॉमर्स में 493 नंबर हासिल कर ओवरऑल टॉप किया है। वहीं, शाजापुर के जयंत यादव ने आर्ट स्ट्रीम में 500 में से 487 अंक हासिल किए हैं। रीवा की अंशिका मिश्रा इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल की छात्रा हैं। मुस्कान दांगी विदिशा की रहने वाली हैं। वे सरस्वती शिशु मंदिर की छात्रा हैं। जयंत सहारा पब्लिक स्कूल के छात्र हैं। रेगुलर स्टूडेंट्स में 60.55 फीसदी लड़के जबकि 68.43 फीसदी लड़कियां पास हुई हैं। इस बार का रिजल्ट पिछले साल से बेहतर रहा है। 2024 का रिजल्ट 64.49 फीसदी रहा है जबकि 2023 में यह 55.26 प्रतिशत था। 2024 में 12वीं में 18 लाख 22 हजार स्टूडेंट्स शामिल हुए हैं।

पटवारी बोले-बीजेपी के लोग मोदी को भगवान बनाने में लगे

- पूछे सवाल-क्या मंत्रालय की आग में फाइलें जलाने की जांच कराएंगे

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बुधवार को मप्र के दौरे पर रहे। सागर, हरदा में जनसभाओं को संबोधित करने के बाद शाम को पीएम ने भोपाल पहुंचकर रोड-शो किया। पीएम के मप्र दौरे के पहले पीसीसी चीफ जीतू पटवारी, कांग्रेस सांसद विवेक तन्खा ने जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस की। पटवारी ने पीएम मोदी से सवाल पूछे हैं। वहीं कांग्रेस के राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा ने कहा -आज संविधान और लोकतंत्र खतरे में है। इसे केवल जनता चुनाव में वोट डाल कर बचा सकती है। आखिर, बीजेपी 400 पार का नारा इसीलिए लगा रही है, क्योंकि बीजेपी संविधान में बदलाव करना चाहती है। जबकि, भारत का संविधान एक बेहतरीन संविधान है। भारत का संविधान लोकतांत्रिक, प्रजातांत्रिक और अभिव्यक्ति की आजादी देता है, पर आज कोई खुल कर बोल नही सकता है। पीएम मोदी के एमपी दौरे के पहले पटवारी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा- देश में कथित अमृतलाल चल रहा है एवं इसमें संविधान, बाबासाहब अंबेडकर के विचार, वोट का अधिकार एवं मीडिया की आजादी बचाने की लड़ाई चल रही है। मोदी जी के शासनकाल में 17 सरकारें गिराई गई, 500 से ज्यादा विधायक एवं कई सांसद इधर उधर हुए।

मिशन लोकसभा

ध्रुवीकरण के 'शोर' को थाम रही है विपक्ष की 'खामोशी'!

लखनऊ (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी की राजस्थान की रैली में अल्पसंख्यकों का संदर्भ लेकर दिए एक बयान पर राजनीति गर्म है। इसे ध्रुवीकरण का स्ट्रोक बताया जा रहा है। कांग्रेस चुनाव आयोग के दरवाजे पर है लेकिन, उत्तर प्रदेश के मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव अपनी प्रतिक्रिया में 'मुस्लिम' शब्द तक से परहेज करते हुए 'खास समुदाय' लिख रहे हैं। यह परहेज अनायास ही नहीं है। पिछले चुनावों में सांप्रदायिक सवालों पर मुखर प्रतिक्रियाओं से उपजी लहर विपक्ष की उम्मीदों को बहा चुकी है। इसलिए, यूपी के चुनावी रण में विपक्ष ने ध्रुवीकरण के 'शोर' को थामने के लिए 'खामोशी' की रणनीति अपनाई है। यूपी में पहले चरण की 8 सीटों पर चुनाव हो चुका है। दूसरे चरण की 8 सीटों पर 26 को मत पड़ेंगे। इन 16 में 13 सीटों पर अल्पसंख्यकों के वोट चुनाव की दिशा तय करने में सक्षम है। सत्तारूढ़ भाजपा इससे वाकिफ है। इसलिए, उसके चुनावी अभियान में विकास के साथ आस्था और हिंदुत्व के स्वर गूंज रहे हैं।

- यूपी में अखिलेश का मुस्लिम से परहेज, क्या बदलेगा परिणाम
- अब विपक्ष ने बनाई सांप्रदायिक और आस्था के सवालों से दूरी

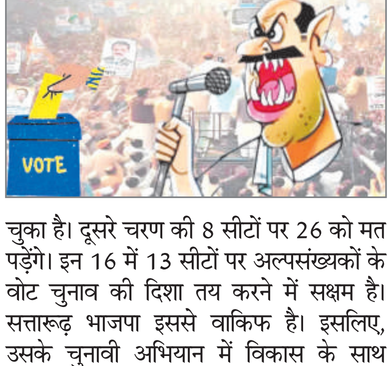

पहले पेशी के दौरान अकड़ अब वैन में ही रोने लगा शेख

- संदेशखाली मामले में आरोपी शाहजहां शेख का सामने आया वीडियो

नई दिल्ली (एजेंसी)। संदेशखाली मामले में आरोपी शाहजहां शेख को पश्चिम बंगाल में स्थानीय अदालत में पेश किया गया। इस दौरान परिजनों से बातचीत के दौरान शाहजहां शेख रोने लगा। शेख को बुधवार को उसकी ईडी हिरासत की अवधि समाप्त होने पर आज बशीरहाट उपमंडल अदालत में पेश किया गया था। मामले में सुनवाई के बाद कोर्ट ने उनकी हिरासत 14 दिनों के लिए बढ़ा दी। शेख पर महिलाओं के साथ यौन हिंसा और जमीन हड़पने का आरोप है। इससे पहले गिरफ्तारी के समय शाहजहां शेख के अकड़ कर चलने का वीडियो भी सामने आया था। शाहजहां शेख का यह वीडियो पुलिस वैन का है।

दैनिक सद्भावना पाती

इंदौर, गुरुवार 25 अप्रैल, 2024

अभ्यर्थी निर्वाचन प्रचार-प्रसार के दौरान आदर्श आचार संहिता का पूर्णतः पालन करें

सामान्य प्रेक्षक तथा व्यय प्रेक्षक की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में अभ्यर्थियों की बैठक सम्पन्न

रायसेन (निप्र)। लोकसभा आम निर्वाचन-2024 हेतु संसदीय क्षेत्र 18-विदिशा के लिए नियुक्त सामान्य प्रेक्षक आईएएस श्री सूरज कुमार तथा व्यय प्रेक्षक आईआरएस श्री मेहुल भारत जैन की उपस्थिति में रायसेन में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में विदिशा संसदीय क्षेत्र से निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों तथा उनके प्रतिनिधियों की बैठक सम्पन्न हुई। जिसमें रिटर्निंग अधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अरविंद दुबे द्वारा अभ्यर्थियों को निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों, आदर्श आचार संहिता, निर्वाचन गतिविधियों, मतदान केन्द्रों तथा मतदाताओं की संख्या, प्रेस मुद्रक संबंधी निर्देश, निर्वाचन अनुमतियां आदि के बारे में विस्तार से अवगत कराया गया। सामान्य प्रेक्षक श्री सूरज कुमार ने अभ्यर्थियों से कहा कि निर्वाचन प्रचार-प्रसार के दौरान आदर्श आचार संहिता और आयोग के दिशा-निर्देशों का पूर्णतः पालन किया जाए। रैली, सभा सहित अन्य राजनैतिक गतिविधियों की नियमानुसार अनुमतियां प्राप्त की जाएं। निर्वाचन आयोग द्वारा ऑनलाईन आवेदन हेतु सुविधा पोर्टल शुरू किया गया है। जहां अभ्यर्थी ऑनलाईन आवेदन कर अनुमतियां प्राप्त कर सकते हैं। इसी प्रकार व्यय प्रेक्षक श्री मेहुल भारत जैन ने अभ्यर्थियों से संवाद करते हुए कहा कि निर्वाचन आयोग द्वारा व्यय की सीमा 95 लाख रू निर्धारित की है। अभ्यर्थी अपने सभी निर्वाचन खर्चो को व्यय लेखा रजिस्टर में दर्ज करें और इनका निरीक्षण भी कराएं।

बैठक में रिटर्निंग अधिकारी श्री दुबे ने अभ्यर्थियों से कहा कि वर्तमान में सम्पूर्ण संसदीय क्षेत्र 18-विदिशा में दण्ड प्रक्रिया संहिता अंतर्गत धारा 144 के प्रावधान लागू हैं। सभी अभ्यर्थी, उनके समर्थक एवं संबंधित राजनैतिक दल इसका कड़ाई से पालन करें। अभ्यर्थी किसी ऐसी गतिविधि में शामिल ना हो, जिससे विभिन्न जातियां व धार्मिक या भाषायी समुदायों के बीच मतभेद या तनाव पैदा हो सकता है। इसी प्रकार सभाओं एवं प्रचार के दौरान जातिगत, धार्मिक, सामुदायिक एवं भाषायी आधार पर वोट प्राप्त करने की अपील नहीं करें। उन्होंने कहा कि अभ्यर्थी तथा उनसे संबंधित दल के कार्यकर्ता किसी अन्य राजनैतिक दल या अभ्यर्थी के निजी जीवन के सभी पहलुओं तथा असत्यापित आरोपों या मिथ्या कथन के आधार पर उनकी आलोचना करने से बचना चाहिए।

रिटर्निंग अधिकारी श्री दुबे ने सभी अभ्यर्थियों से कहा कि निर्वाचन व्यय रजिस्टर में सभी निर्वाचन खर्चो के दैनिक लेखा का रखरखाव किया जाना अनिवार्य है। अभ्यर्थियों द्वारा निर्वाचन प्रचार में उपयोग किए जाने वाले सभी वाहनों के संबंध में अनुमति ली जाए तथा यह सुनिश्चित करें कि अनुमति पत्र प्रत्येक वाहन की बिन्ड स्क्रीन पर चस्पा हो। उन्होंने बताया कि यदि अभ्यर्थी अनुमति प्राप्त वाहन का उपयोग नहीं कर रहा है तो रिटर्निंग अधिकारी को सूचित किया जाना चाहिए एवं निरस्त कराना चाहिए। अन्यथा ऐसे वाहनों पर व्यय अभ्यर्थियों के खाते में जोड़ा जाएगा। इसी प्रकार रैली, जुलूस, सार्वजनिक बैठक आदि आयोजित करने हेतु अनुमति लिया जाना चाहिए। अभ्यर्थी को सभी प्रकार के निर्वाचन व्यय, लेखा रजिस्टर में दर्ज करना चाहिए तथा निर्धारित समयावधि में निरीक्षण कराया जाना चाहिए।

रिटर्निंग अधिकारी श्री दुबे ने अभ्यर्थियों को अवगत कराया कि ईवीएम मशीनों का द्वितीय रेण्डमाईजेशन होगा तथा 27 अप्रैल से ईवीएम मशीनों की कमीशनिंग प्रारंभ होगी। आयोग के निर्देशानुसार डाकमत पत्र के माध्यम से 85 वर्ष से अधिक आयु के मतदाता एवं दिव्यांग मतदाताओं को घर पर मतदान कराया जाएगा। इसके लिए दल गठित किए गए हैं। मतदान सामग्री का वितरण 06 मई को किया जाएगा तथा 07 मई को प्रातः 07 बजे से शाम 06 बजे तक मतदान होगा।

मतदाताओं की जानकारी देते हुए बताया गया कि विदिशा संसदीय क्षेत्र में कुल 1945404 मतदाता है, जिनमें 1007525 पुरूष मतदाता, 937835 महिला मतदाता एवं 44 अन्य मतदाता शामिल हैं। विदिशा संसदीय क्षेत्र अंतर्गत आठों विधानसभाओं में कुल 2378 मतदान केन्द्र और तीन सहायक मतदान केन्द्र बनाए गए हैं। बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री मुकेश सिंह सहित संबंधित अधिकारी भी उपस्थित रहे।

माता के मंदिर में जननी की उपेक्षा, सुधरने को तैयार नहीं है अधिकारी

बिरसिंहपुर पाली। शासन अपनी जनता के लिए सुविधाएं उपलब्ध करवाता है लेकिन ढीठ अधिकारी उन सुविधाओं को जनता तक पहुंचाने के स्थान पर उन्हें कैसे छीन लेते हैं, इसे उमरिया स्थित मां बिरासिनी माता मंदिर में देखा जा सकता है। माता के इस मंदिर में उनकी जननी पुत्रियों को मिली सुविधा को कैसे छीना गया है वह प्रत्यक्ष है।

मंदिर परिसर में नवजात शिशुओं को दुग्ध पान करवाने के लिए बने आंचल कक्ष पर लंबे अरसे से ताला जड़ा है। माताएं अपने शिशुओं को दुग्ध पान करवाने के लिए यहां- वहां भटकती रहती है। इस संबंध में जिम्मेदार नागरिकों द्वारा कई बार जिला प्रशासन का ध्यान आकर्षित करवाया गया है, लेकिन लापरवाह अधिकारियों के कान में जूं तक नहीं रेंगती। वे एक मामूली काम भी नहीं कर पाए। यह कक्ष हनुमान जयंती पर खुला, लेकिन माताओं के लिए नहीं भंडारा बनाने के लिए। राम भक्त हनुमान ने माता जानकी की तलाश में लंका को फूंक दिया था, उन्हीं की जयंती के नाम पर माता जानकी की पुत्रियों को उस प्राइवेसी से वंचित रखा जा रहा है, जो उनका अधिकार है।आंचल कक्ष में भंडारे का सामान भरकर इस परिसर में भोजन सामग्री बनाई गई।

भंडारे की प्रसादी पाने के लिए आई कई महिलाएं आंचल कक्ष को तलाशती रही। यह देखकर एक जागरूक महिला ने सीएम हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में कहा गया कि महिलाओं को मिली सुविधा से उन्हें वंचित रखने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्यवाही की जाए। उसने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया है कि यह ÷आंचल कक्ष÷ महिलाओं के लिए खुला रखा जाए इसका अन्य किसी गतिविधि के लिए उपयोग ना हो।

कलेक्टर वैद्य ने एमसीएमसी कक्ष का निरीक्षण किया

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री बुद्धेश कुमार वैद्य ने आज कलेक्ट्रेट के कक्ष क्रमांक 225 में संचालित एमसीएमसी कक्ष में पहुंचकर पेड न्यूज की निगरानी व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। कलेक्टर श्री वैद्य ने एमसीएमसी कक्ष में पेड न्यूज की पेपर कतरनों का बारीकी से अवलोकन किया साथ ही उन्होंने सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्मों की निगरानी, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया व प्रिन्ट मीडिया के साथ-साथ रेडियो व एफएम बैड पर जारी होने वाली प्रचार-प्रसार हेतु रखी जा रही निगरानी कार्यों को संबंध में कमेटी के सदस्यों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए हैं। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ डॉ योगेश भरसट, अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर, जिला जनसंपर्क अधिकारी एवं एमसीएमसी के जिला नोडल श्री बीडी अहरवाल साथ मौजूद रहे। लोकसभा निर्वाचन 2024 के तहत निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों के व्यय खर्चे पर नजर रखने का कार्य किया जा रहा है। एमसीएमसी कक्ष के माध्यम से पैड न्यूज पर विशेष नजर रखी जा रही है। कलेक्ट्रेट के कक्ष क्रमांक 225 में संचालित एमसीएमसी में 24 घंटे सातो दिन निगरानी के लिए आठ-आठ घंटे के अंतराल के लिए अधिकारी, कर्मचारी दायित्वों का निर्वहन कर रहे है।

नर्मदापुरम में 75वर्षीय समाजसेवी की बॉडी मेडिकल कॉलेज को दान:छात्रों की पढ़ाई में आएगा काम

नर्मदापुरम(निप्र)। अपने लिये जिये तो क्या जिये, तू जी, ऐ दिल, ज़माने के लिये.. इन पंक्तियों को चरितार्थ करते हुए आज नर्मदापुरम में पर्यटन घाट के पास रहने वाले 75 वर्षीय प्रमोद महाजन की देहदान की गई। शाम 4.30बजे पीपुल्स हॉस्पिटल रिसर्च सेंटर के स्टॉफ ने डोनेट देह को भोपाल ले गए। मेडिकल स्टूडेंट्स के लिए ये देह अब उनकी पढ़ाई के काम आ सकेगी। पर्यटन घाट मोरछली चौक के पास रहने वाले 75 वर्षीय स्वर्गीय प्रमोद महाजन प्राणी एवं प्रकृति की सेवा के लिए समर्पित रहते थे। उनकी अंतिम इच्छा थी कि उनके निधन के बाद देह दान की जाएं। आज दोपहर 12.45बजे उनका निधन हो गया। अंतिम इच्छा अनुसार पत्नी निर्मला महाजन, बेटे नितिन महाजन, विशाल महाजन ने उनकी देह को दान किया। स्व. प्रमोद महाजन ने जीवित रहते हुए ही 17 फरवरी 2015 में देह दान कर दिया था, ताकि उनके शरीर का हर एक अंग अन्य किसी के काम आ सके। शरीर दान के बाद सोमवार शाम को उनकी अंतेष्टि भी सूक्ष्म रूप से की गई। राजघाट पर कृत्रिम रूप से सुक्ष्म रूप से उनके नाखून एवं बालों का अंतिम संस्कार किया गया। उनके अंतिम संस्कार में सैकड़ों की संख्या में सामाजिक लोग शामिल हुए।

स्वर्गीय महाजन ने अपने खर्च से जगह-जगह पौधे रोपित करने साथ उनका पालन पोषण का निष्ठापूर्वक कार्य करते रहे हैं। इतना ही नहीं बीमार पशुओं की सेवा कर उन्होंने लोगों को हमेशा प्रेरित किया। स्व. प्रमोद महाजन के पुत्र विशाल महाजन बताते हैं कि पिता ने प्राणियों की सेवा के साथ-साथ प्रकृति की सेवा की। 17 फरवरी 2015 को पापा ने अपना शरीर भोपाल स्थित पीपुल्स हॉस्पिटल रिसर्च सेंटर में डोनेट कर दिया था, ताकि आगे चलकर उनके अंगों का बहुत सी चीजों के लिए उपयोग हो सके। आज उनके निधन पर शरीर को डोनेट किया गया। समाज के लिए एक बेहतर पल है, निश्चित रूप से कई रोगों से जो व्यक्ति पीड़ित है।

लंबित आवेदनों की समीक्षा

सीएम हेल्पलाईन की रैंकिंग सूची में विदिशा प्रदेश में तीसरे स्थान पर

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री बुद्धेश कुमार वैद्य ने सोमवार को लंबित आवेदनों की समीक्षा की। कलेक्ट्रेट के बेतवा सभाकक्ष में आयोजित इस बैठक में उन्होंने सीएम हेल्पलाइन की जिलों की जारी प्रदेश स्तरीय रैंकिंग सूची में विदिशा जिला तीसरे स्थान पर होने पर सभी अधिकारियों के प्रति साधुवाद व्यक्त करते हुए कहा कि इस स्पीड को बनाए रखें ताकि भविष्य में विदिशा जिला प्रदेश में अव्वल स्थिति में आ सके। कलेक्टर श्री वैद्य ने कहा कि सभी एसडीएम व खंड स्तरीय अधिकारी भी आवेदनों के निराकरण मामले में ऐसी ही गंभीरता बरतेंगे ताकि रैंकिंग सूची में किसी भी प्रकार से जिले की रैंकिंग में गिरावट ना हो। उन्होंने सीहोर जिला लगातार अव्वल स्थान पर कैसे बना है के अध्ययन पर बल दिया है। कलेक्टर श्री वैद्य ने लंबित आवेदनों की समीक्षा बैठक के दौरान पीएम जनमन अभियान के तहत संपादित किए जाने वाले कार्यो की भी समीक्षा की। उन्होंने अभियान के निहित बिन्दुओं से शत प्रतिशत लाभांवित कराने के लिए निर्धारित मापदण्डो के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार से चूक ना हो पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए है। कलेक्टर श्री वैद्य ने लोकसभा निर्वाचन के मद्देनजर जिले में किए जा रहे प्रबंधो की भी बिन्दुवार समीक्षा की। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार हर एक मतदान केन्द्र पर बुनियादी आवश्यकताओ की पूर्ति सुनिश्चित कराई जाए इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नही की जाएगी। उन्होंने कहा कि हरेक मतदान केन्द्र पर बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित कराई जानी है अतः ऐसे मतदान केन्द्र जहां अभी तक बिजली की व्यवस्था नहीं हो पाई है उन मतदान केन्द्रो के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता से बिजली के अस्थायी कनेक्शन की प्रक्रिया कराए जाने के कार्य दो दिवस में पूरे किए जाएं। इसी प्रकार हरेक मतदान केन्द्र पर दो-दो चार्जेबल बल्व भी लगाए जाने है ततसंबंध में डीपीसी को आवश्यक निर्देश दिए गए है इसी प्रकार स्कूल शिक्षा विभाग, आंगनबाडी भवनो व अन्य विभागो के भवनो में स्थापित मतदान केन्द्रो में तमाम प्रबंध पूरे कराए जाने के संबंध में भी आवश्यक मार्गदर्शन दिया है।

ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण कार्यक्रम एक मई से आयोजित

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री बुद्धेश कुमार वैद्य की अध्यक्षता में आज ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर आयोजन की तैयारी संबंधी बैठक आयोजित की गई थी। कलेक्ट्रेट के बेतवा सभागार में आयोजित इस बैठक में जिला पंचायत सीईओ डॉक्टर योगेश भरसट अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर सहित अन्य अधिकारी व विभिन्न खेलों के कोच मौजूद रहे। समिति की बैठक में सर्व सहमति से निर्णय लिए गए की जिला एवं खंड मुख्यालय पर एक साथ मई माह की एक से 31 तारीख तक 10 प्रकार के विभिन्न खेल प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन किया जाएगा। प्रशिक्षण में सम्मिलित करने के लिए निर्धारित मापदंडों के साथ-साथ बालिकाओं की आत्मरक्षा के उन्नयन शिविर पर चर्चा की गई है । जिला खेल अधिकारी श्री प्रदीप रावत ने ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर से संबंधित एजेंडा बिंदुओं की जानकारी देते हुए बताया कि पूर्व वर्ष की भांति इस वर्ष भी ग्रीष्मकालीन खेलों का आयोजन किया जाना है। इस वर्ष दो अतिरिक्त खेलों का समावेश किया जाना है।इन खेलों के चयन का निर्णय जिला खेल और युवा कल्याण समिति के द्वारा तय किया जाना है ।प्रशिक्षण अवधि में खिलाड़ियो तथा विभिन्न खेल प्रशिक्षकों को दी जाने सुविधाओं के अलावा उत्कृष्ट खिलाड़ियों को जन सहयोग से प्रदाय सल्फर एवं अन्य सुविधाओं के उन्नयन पर चर्चा की गई है। कलेक्टर श्री वैद्य ने कहा कि कहां की स्कूली विद्यार्थियों को उक्त प्रशिक्षण में शामिल होने के दौरान किसी भी प्रकार की सुविधाओं का सामना न करना पड़े के प्रबंध सुनिश्चित किए जाएं उन्होंने खेलों में शामिल होने वाले विद्यार्थियों को खेलो संबंधी विभिन्न विधाओं में निपुण करने के लिए आवश्यक कोच सहित अन्य प्रबंधन पर भी विस्तार पूर्वक चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए हैं। कलेक्टर श्री वैद्य ने कहा कि जिले में खेलों को बढ़ावा देने के लिए किसी भी प्रकार की कोई कोर कसर नहीं छोड़ी जाएगी आवश्यकता पड़ने पर विभिन्न संसाधनों की पूर्ति के लिए जन सहयोग से भी पूरा कराया जा सकेगा। जिला पंचायत सीईओ डॉ योगेश भरसट ने ग्रामीण क्षेत्र के युवा युक्तियों को खेलो का विशेष प्रशिक्षण व मार्गदर्शन दिलाए जाने पर बल देते हुए कहा कि खंड मुख्यालय पर आयोजित होने वाली उपरोक्त खेल प्रशिक्षण में आपसी प्रतिस्पर्धाएं भी आयोजित की जाए ताकि समापन दिवस पर इस प्रकार की प्रतियोगिताओं के फाइनल मैच अतिथियों के समक्ष हो सके। ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर आयोजन करने के संबंध में खेल और युवा कल्याण विभाग के संचालक द्वारा जारी दिशा निर्देशों की बिंदुवार जानकारी जिला खेल अधिकारी श्री प्रदीप रावत के द्वारा प्रस्तुत की गई जिसमें खेल प्रशिक्षकों के लिए दिए जाने वाले मंडे खिलाड़ियों को प्रोत्साहन तथा स्कूल शिक्षा विभाग के अलावा अन्य विभागों के संयुक्त समन्वय से शासकीय आशा की महाविद्यालय विद्यालयों के विद्यार्थियों को अधिक से अधिक संख्या में उपरोक्त प्रशिक्षण में शामिल होने के लिए जन जागरूकता कार्यक्रम व संदेशों के संप्रेषण पर बल दिया गया है। उक्त बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी आरके ठाकुर प्राचार्य कन्या महाविद्यालय डॉक्टर नीतू पांडे श्री क्रीड़ा अधिकारी श्री संतोष चतुर्वेदी व्यायाम शिक्षक श्री प्रशांत रघुवंशी श्री भूपेंद्र शर्मा खेल विभागश्रीमती ज्योति ठाकुर समन्वय श्री हनीफ खान श्री गोपाल कुशवाहा कुमारी ज्योति अहिरवार श्री केशव शर्मा श्री अरविंद सिंह राजपूत नूरजहां बानो श्रीमती सपना शर्मा एवं विभिन्न खेल संघ के पदाधिकारी श्री संजय ठाकुर आशीष मोदी बास्केटबॉल अमित माझी हंदवाल योगेंद्र सिंह राणा रविकांत नामदेव फुटबॉल श्री ललित तिवारी श्री लक्ष्मी नारायण कुशवाहा एथलेटिक्स श्री सुरेंद्र यादव, अंजलि कौल कुश्ती श्री पंकज भार्गव जिला बॉडी बिल्डिंग संघ श्री सतीश रैकवार हॉकी श्री आरके जैन कुमारी आकांक्षा शर्मा वॉलीबॉल श्री राधेश्याम क्रिकेट श्री शिवनारायण शर्मा कबड्डी श्री राजेश बागडे श्री दिलीप सिंह थापा श्री ध्रुव लोधी श्री विकास सिलावट ताइक्कांडो संघ के आदि लोग उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

नर्मदापुरम में मतदान की तारीख के फ्लेक्स लगाने में लापरवाही:26 की जगह 19 अप्रैल के फ्लेक्स लगाए

नर्मदापुरम(निप्र)। लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण में होशंगाबाद-नरसिंहपुर संसदीय सीट पर 26 अप्रैल को मतदान होना है। जिसे लेकर जिला निर्वाचन शहर के चौक-चौराहे पर फ्लेक्स लगाकर लोगों को जागरूक करने का प्रयास कर रहा। ताकि लोग मतदान करने अवश्य पहुंचे। लेकिन फ्लेक्स लगाने में बड़ी गड़बड़ी की गई। फ्लेक्स में 26 अप्रैल की जगह 19 अप्रैल लिखा गया। ऐसे में वे मतदाता गफलत में है कि जिन्हें मतदान करने की सही तारीख नहीं पता। 19 अप्रैल के मतदान की तारीखों के फ्लेक्स को लेकर सोशल मीडिया पर जिले की जमकर किरकिरी हो रही है। गड़बड़ी उजागर होने के बाद निर्वाचन व नगरपालिका द्वारा गलती छुपाने के लिए 19 की जगह 26 तारीख लिखे स्टीकर चस्पा किए गए। लेकिन सोमवार शाम को हुई बारिश से कई जगह 26 अप्रैल लिखे फ्लेक्स निकल गए। कुछ जगहों पर आसामाजिक तत्वों ने 19 के ऊपर लिखे 26 तारीख के स्टीकर को हटा दिया। गलत तारीख के फ्लेक्स लगे होने से जिला निर्वाचन की जमकर किरकिरी हो रही है। गलत तारीख के फ्लेक्स छपवाने में व उसे लगाने में कहा लापरवाही हुई, ये अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। बड़ा सवाल है कि क्या फ्लेक्स चौक-चौराहें पर लगाने से पहले जिम्मेदारों ने एक बार फ्लेक्स को अच्छे से देखा नहीं था इस संबंध में नोडल अधिकारी व प्रशिक्षु आईएएस प्रतीक राव ने कहा कुछ जगह पर 26 की जगह 19 तारीख वाले फ्लेक्स की जानकारी मुझे मिली। हमने उसमें सुधार कराया है। यह लापरवाही कैसे हुई, इसे दिखवा रहे है।

ट्रैक्टर की चपेट में आने से बुजुर्ग की मौत: पचमढ़ी रोड नाके के पास की घटना

पिपरिया(निप्र)। पचमढ़ी रोड नाके और स्टेशन रोड थाने के बीच एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर की चपेट में आने से 61 वर्षीय बुजुर्ग गंभीर घायल हो गया। उसे सरकारी अस्पताल उपचार के लिए भर्ती कराया गया। डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। स्टेशन रोड थाना टीआई विजय कुमार सनस ने बताया इस मामले में योगेंद्र मांझी निवासी तवा कॉलोनी ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। योगेंद ने पुलिस को बताया रात करीब 10 बजे पिता भगवान दास मांझी (61) साल खाना खाकर घर से रोड तरफ घूमने निकले थे। ट्रैक्टर चालक ने पालीवाल गार्डन पचमढ़ी रोड पर टक्कर मारकर घायल कर दिया। इसके बाद अस्पताल में डॉक्टर ने पिता को मृत घोषित कर दिया। टीआई विजय कुमार ने बताया बयानों के आधार पर मर्ग कायम कर मामले की जांच की जा रही है। हादसे में मृत भगवान दास मांझी पिपरिया जनपद पंचायत कार्यालय में पदस्थ था। वर्तमान में सोहागपुर में अटैच था।

मानव श्रृंखला, मेहंदी, रंगोली सहित विविध गतिविधियां आयोजित कर मतदान करने का संदेश

विदिशा (निप्र)। स्वीप गतिविधि अंतर्गत कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री बुद्धेश कुमार वैद्य के मार्गदर्शन तथा जिला पंचायत सीईओ व स्वीप के जिला नोडल अधिकारी डॉक्टर योगेश भरसट के निर्देशन में खासकर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में मतदाता जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन सतत जारी है। मतदान का प्रतिशत बढ़ाने लोकसभा निर्वाचन 2024 में मतदाता जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। मेरा वोट मेरा अधिकार की थीम पर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में आयोजित गतिविधियों के क्रम में आज विदिशा जिले में आंगनबाड़ी केन्द्रों के माध्यम से मतदान करने के संदेशों का प्रसारण कार्य किया गया है। विशेष कर महिला मतदाताएं आगामी 7 मई को अधिक से अधिक मतदान कर लोकतंत्र के इस महापर्व में शामिल हों पर विशेष फोकस किया गया है। जिले के विभिन्न आंगनबाड़ी केन्द्रों में मेहंदी, रंगोली सहित अन्य विविध प्रकार की गतिविधियां आयोजित हुई जिनमें आंगनबाड़ी क्षेत्र की महिलाओं ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की। शमशाबाद विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत आने वाले ग्राम बरुआखार में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं व ग्रामीण महिलाओं ने मेहंदी व रंगोली प्रतियोगिताओं जैसे कार्यक्रमों में सहभागिता कर मतदाता जागरूकता का संदेश दिया है। संदेश के माध्यम से कहा गया है कि जिले के सभी मतदाता लोकसभा निर्वाचन 2024 में आगामी 7 मई को अपने नियत मतदान केंद्र पहुंचकर मतदान अवश्य करें।

दैनिक

सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

इंदौर, गुरुवार 25 अप्रैल, 2024

निगम की पीली जीपों में नजर आएंगे निर्वाचन अधिकारी

इन्दौर। नगर निगम की पीली जीपों को चुनाव कार्यों के लिए निर्वाचन कार्यालय ने मांगा है और इसके लिए निगम को पत्र भी जारी किया गया है। शुरुआती दौर में 45 जीपें मांगी गई हैं।पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान भी बड़ी संख्या में निगम ने निर्वाचन कार्यालय के अधिकारियों और स्टाफ के लिए वाहन उपलब्ध कराए थे, ताकि निर्वाचन की प्रक्रियाएं शुरू हो सकी। निगम के अलावा कई अन्य शासकीय विभागों से भी वाहन बुलवाए जा रहे हैं, ताकि निर्वाचन अधिकारियों को आवंटित किए जा सके। शहरी क्षेत्र से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में निर्वाचन अधिकारियों की ड्यूटी लगाई जाती है और ऐसे कई बड़े अफसरों को वाहन आवंटित करना जरूरी है। इसी के चलते निर्वाचन कार्यालय ने निगम से भी 45 पीली जीपें मांगी हैं, जो निर्वाचन कार्य में जुटे अफसरों को आवंटित की जाएगी। निगम द्वारा नई पीली और अच्छी कंडीशन की जीपें निर्वाचन कार्यालय को भेजी जाएंगी, ताकि निर्वाचन कार्य में कोई दिक्कतें न आए। नगर निगम ने एआरओ और कई बिल कलेक्टरों के साथ-साथ सीएसआई और अन्य अधिकारियों को पीली जीपें आंवटित कर रखी है, जबकि झोनल अधिकारियों को एक समान पीली टाटा सूमो आवंटित हैं। अब आने वाले दिनों में सभी अधिकारियों से पीली जीपें लेकर निर्वाचन कार्यालय भेजी जाएंगी और इस दौरान अधिकारियों को कहा गया है कि वे अपने निजी वाहनों से कुछ दिनों तक के लिए कार्रवाइयों को अंजाम दें।

जमीन अधिग्रहण का विरोध कर रहे किसानों ने मंत्री को घटिया निर्माण के मामले में भी घेरा

इंदौर। जमीन अधिग्रहण का विरोध कर रहे किसानों ने अब भाजपा के मंत्री-विधायकों पर भ्रष्टाचार के आरोप भी लगाना शुरू कर दिए हैं। किसान नेता हंसराज मंडलोई का आरोप है कि सांवेर विधानसभा क्षेत्र में नवनिर्मित सीमेंट कांक्रीट की सडक़ों पर ही बड़ी-बड़ी दरारें पड़ गई हैं, जिस पर 100 करोड़ रुपए से अधिक की सडक़ें बनना बताई गई। मगर भ्रष्टाचार के चलते अधिकांश निर्माण घटिया स्तरका किया गया है।किसान नेता हंसराज मंडलोई ने चेतावनी दी एक सप्ताह में गड्ढे नहीं भर तो आचार संहिता के चलते भी करेंगे आंदोलन व सडक़ पर बैठकर भीख मांगेंगे एवं कर्ज लेकर सरकार चलाने वाले भाजपाइयों को भेजेंगे. पूर्व जनपद सदस्य एवं किसान नेता हंसराज मंडलोई ने अपनी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि मांग लिया व्यास खेड़ी तराना मार्ग दो पहिया वाहनों के लिए यमराज बन गया है क्योंकि घटिया निर्माण के कारण अच्छी भली 100 करोड़ की लागत वाली सडक़ में भी बड़ी-बड़ी दरारें पड़ गई है यह सडक़ का भूमि पूजन करते समय केंद्रीय सडक़ मंत्री ने 100 साल तक चलने का भरोसा दिलाया था वह कुछ सालों में ही दम तोडऩे लगी है जिसके कारण रोड से गुजरने वाले राहगीर वह छोटे-छोटे बच्चे दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं वह अपनी जान गवा रहे हैं एवं हाथ पैर तुड़वाने के बाद अस्पतालों का भला करते हैं एवं जिंदगी भर के लिए अपाहिज हो रहे हैं। मंडलोई ने मांग की की मांग लिया व्यास खेड़ी तराना मार्ग में घटिया निर्माण के कारण बड़ी दरारों को जल्द से जल्द भरा जावे एवं रोड के ऊपर अतिक्रमण करने वालो कार्तिक्रमण हटाया जावे एवं भ्रष्टाचार करने वाले अधिकारियों कोई जेल में डाल जावे एवं साथ में ही जवाबदारी नेताओं के ऊपर भी कार्रवाई होना चाहिए जो सांसद विधायक और मंत्री बन जाने के बाद भी अधिकारियों व ठेकेदारों से कमीशन के चक्कर में भ्रष्टाचार करवाते हैं मंडलोई ने चेतावनी दी है कि एक सप्ताह में अगर एक सप्ताह में दरारे नहीं भरी जाएगी तो आचार संहिता के चलते भी आंदोलन करेंगे एवं कटोरा लेकर सडक़ पर भीख मांगेंगे और भोपाल में बैठी भूखी नंगी एवं कर्ज लेकर घी पीने वाली सरकार को भेजेंगे।

इंदौर के कांग्रेस प्रत्याशी अक्षय बम ने भरा नामांकन

यह चुनाव हार-जीत का नहीं, संविधान की रक्षा का है : जीतू पटवारी

इंदौर। कांग्रेस उम्मीदवार अक्षय बम ने बुधवार को नामांकन पर्चा निर्वाचन कार्यालय ने जमा किया। रैली से पहले मोतीतबेला चौराहे पर एक सभा हुई। इसमें प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि संघर्ष का दौर चल रहा है। संघर्ष एक बड़ी ताकत से है, जो नियम कायदों को नहीं मानती है। वो ताकत देश में लोकतंत्र खत्म करना चाहती है। पटवारी ने कहा कि प्रदेश के शराब माफिया से सरकार ने 35 करोड़ रुपये के इलेक्टोरल बांड भाजपा के खाते में डलवाए। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी देश के प्रधानमंत्री हैं। वे बेरोजगारी, महंगाई के बजाए मांस, मछली के बारे में बात करते हैं। पटवारी ने कहा कि सूरत में जनता को वोट डालने का अधिकार छीन लिया। वहां भाजपा का उम्मीदवार निर्विरोध जीत रहा है। भाजपा इसी तरह तानाशाही से देश चलाना चाहती है। कांग्रेस उम्मीदवार अक्षय बम ने कहा इंदौर आईआईटी, आईआईएम और कैट के लिए जाना जाता है। यह कांग्रेस की देन है। भाजपा के सांसद शंकर लालवानी निष्क्रिय साबित हुए। उनके कार्यकाल में इंदौर को कोई सौगात नहीं मिली। सभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि इंदौर स्वच्छता में नम्बर वन है, लेकिन अब भाजपा नगर निगम उसमें भी घोटाले कर रही है। 28 करोड़ का ड्रेनेज घोटाला सामने आया है। निगम घोटाले में भी नम्बर वन बनना चाहता है। महिला कांग्रेस अध्यक्ष सोनाली मिमरोट ने कहा कि आजादी के बाद कांग्रेस ने भारत को लोकतांत्रिक देश दिया था, लेकिन भाजपा लोकतंत्र खत्म करना चाहती है। जो मोदी सरकार की नीतियों के बारे में बोलता है, उसे देशद्रोही करार दिया जाता है। सभा समाप्त होने के बाद रैली के साथ बम नामांकन भरने पहुंचे।

सात के फेर में पसीना-पसीना हो रहे भाजपाई

इंदौर। मध्य प्रदेश में आम चुनाव को एक पक्षीय बता रहे भाजपाई पहले चरण में हुए कम मतदान के बाद पसीना-पसीना हो रहे हैं। विभिन्न लोकसभा क्षेत्रों में बीते चुनाव की तुलना में करीब सात प्रतिशत तक कम मतदान ने क्षेत्र के बड़े भाजपा नेताओं के माथे पर पसीना ला दिया है। कहां तो मतदान प्रतिशत बढ़ाकर जीत के अंतर को बढ़ाने की कवायद में हफ्तों से भाजपाई जुटे थे और कहां मतदान प्रतिशत बढ़ने के बजाय कम हो गया। प्रदेश में सबसे ज्यादा चिंता में इस समय मालवा-निमाड़ के नेता हैं। दरअसल, यहां की आठ लोकसभा सीटों के लिए चौथे चरण में 13 मई को मतदान होना है। उस समय गर्मी तो चरम पर होगी ही, मतदान तिथि के आसपास अक्षय तृतीया जैसे मंगल विवाह मुहूर्त भी हैं। ऐन चुनाव के वक्त इस स्थिति से पार कैसे पाया जाए, यही बात इस समय नेताओं के बीच चर्चा के केंद्र में है। सात प्रतिशत के इस गड्ढे ने भाजपाइयों को परेशानी में डाल दिया है।

जानापाव में रेस्क्यू किया गया घायल तेंदुआ, रेस्क्यू दौरान टीम पर तेंदुए ने किया हमला

इलाज के दौरान घायल तेंदुए की मौत

इंदौर। महू के पास जानापाव में मंगलवार को पंचमुखी हनुमान मंदिर के पास एक तेंदुआ ग्रामीणों ने देखा जो लंगड़ा कर चल रहा था। ग्रामीणों ने वीडियो शेयर किया तो वन विभाग ने माना कि तेंदुआ घायल है और उसके पैर में चोट होने से चलने में दिक्कत है। इसके चलते उसकी सर्चिंग की गई तो वह उसी क्षेत्र में बुधवार को मिला। तेंदुए का लगातार इसी क्षेत्र में तीन दिनों से मूवमेंट था। चोटिल होने के कारण विशेषज्ञों ने सलाह दी कि इसे रेस्क्यू करके लाना होगा और इलाज करना होगा।

वन विभाग अधिकारी ने कहा कि घायल तेंदुए के रेस्क्यू के लिए इंदौर से टीम आई थी। जैसे ही तेंदुआ ट्रेस हुआ तो उसे ट्रेंकुलाइज करने के लिए शॉट गन की पोजीशन ली जा रही थी तभी उसने झपट्टा मारकर वन पाल सोहनलाल के हाथ में दांत गड़ा दिए जिससे उसे हाथ में गहरी चोट आई। हालांकि तेंदुए को सही तरीके से बेहोश कर लिया गया बाद में उसे इंदौर चिड़ियाघर इलाज के लिए भेज दिया गया जहां उसकी इलाज के दौरान मौत हो गयी। तेंदुए के सिर और पैर में चोट थी, चोट पुरानी होने के कारण कीड़े पड़ गए थे जिसके कारण बीमार और कमजोर हो गया था। इलाज के बाद तेंदुए को वापस जंगल में छोड़ा जाना था। घायल तेंदुए के रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए इंदौर से डीएफओ, रेंजर और डॉक्टर सहित पूरी टीम जानापाव पहुंची थी।

धूमधाम से मनाया हनुमान जन्मोत्सव

इंदौर। श्री माहेश्वरी युवा संगठन पूर्वी क्षेत्र, इंदौर के अध्यक्ष मधुरम राठी ने बताया कि दृष्टि दिव्यांग सदस्यों द्वारा हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में गीता भवन मंदिर इंदौर में संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। प्रकाश लखोटिया ने बताया कि इस दिन हनुमान जी को सवामणी (51 किलो) नुक्ती का भोग लगाया गया। माहेश्वरी समाज के जयंत गुप्ता, नीरज बिसाणी, अमरचंद सोनी, प्रदीप ईनाणी, कृष्ण गोपाल बाहेती सहित समाज के कई लोग इस आयोजन में सम्मिलित हुए। अंत में आभार युवा संगठन के मंत्री अरविंद करनाणी ने माना।

पानी के लिए इंदौर में बेंगलुरु जैसे हालात नहीं बने हैं

इंदौर। इंदौर एक पानीदार शहर है, लेकिन यहां की नदी आईसीयू में पहुंच गई है। उसकी बीमारी का सही ईलाज करने के बजाय आप उसे ब्यूटी पार्लर में ले जा रहे हैं। मैं 1994 में पहली बार इंदौर आया था। यह ऐसा सांस्कृतिक शहर है, जो किसी भी मुद्दे पर सामूहिक चिंतन कर उनका निराकरण ढूंढ लेता है। हर जगह वाटर रिचार्जिंग कामयाब नहीं होते। यह समझ से परे बात है कि जब यहां नर्मदा का अगला चरण आ गया तो फिर धरती का पेट खाली कर बोरिंग क्यों किए जा रहे हैं। यहां का वास्तविक वाटर बैंक बहुत तेजी से खाली हो रहा है। शहर के युवा महापौर को इस मामले में पूरी संजीदगी के साथ प्रयास करना होंगे। शहर में अभी बेंगलुरु जैसे हालात नहीं बने हैं।

पानी वाले बाबा के नाम से प्रख्यात और तरुण भारत संघ के संस्थापक जल विशेषज्ञ राजेंद्र सिंह ने कही। वे प्रेस क्लब सभागृह में संस्था सेवा सुरभि द्वारा बेंगलुरु जैसे जल संकट से बचने के लिए क्या करें इंदौर विषय पर आयोजित कार्यक्रम में बतौर वक्ता उपस्थित थे। उन्होंने आगे कहा कि यहां के लोग एक साथ बैठकर किसी भी समस्या पर चिंता और चिंतन कर लेते हैं और दलगत राजनीति से ऊपर उठकर निर्णय लेते हैं। मैं लंबे समय बाद यहां आया हूं और कुछ हद तक देखा भी है कि यहां क्या-क्या बदला है। यह शहर अभी भी पानीदार है।

1994 में पहली बैठक में नर्मदा के अगले चरण के पानी को इंदौर लाने की बात हुई थी, जो अब पूरी हो चुकी है, लेकिन कुछ बातें चिंताजनक कही जाना चाहिए - एक तो यह कि यहां का जो वास्तविक वाटर बैंक है वह बहुत तेजी से खाली हो रहा है। धरती के नीचे का पानी क्यों निकाला जा रहा है, जबकि यहां नर्मदा का पानी आ चुका है, यह समझ परे है। दूसरी बात यह है कि हर जगह वाटर रिचार्जिंग कामयाब नहीं होते। जहां धरती के ऊपर लगे पौधों से सामान्य रूप से पता चल जाता है कि वहां की मिट्टी में पानी है या नहीं। इसलिए यह जरूरी है कि जहां भी रिचार्ज करना है, वहां पहले जांच कर लें और उसके बाद रिचार्ज करें। जहां तक इंदौर की नदी की बात है मुझे लगता है कि वह आईसीयू में चली गई है। उसे एक बहुत बड़े डॉक्टर की जरूरत है। बीमारी कुछ और है, लेकिन उसका उपचार आप ब्यूटी पार्लर में ले जाकर कर रहे हैं। इस पर जो भी पैसा भी पैसा खर्च हो रहा है, वह सही उपचार पर होना चाहिए।

मिलावटी खाद्य पदार्थ की आशंका होने पर आप ऐसे कर सकते हैं जांच

मार्गदर्शन- खाद्य सामग्री में मिलावट की पहचान

इंदौर। खाद्य पदार्थों को लेकर कई लोगों के मन में यह सवाल होता है कि कहीं इसमें मिलावट तो नहीं है। यदि ऐसा कुछ लग रहा है तो खाद्य पदार्थों की घर पर भी स्वयं जांच कर सकते हैं। इसकी जांच के लिए यूट्यूब पर डीएआरटी एफएसएसएआई द्वारा अलग-अलग खाद्य पदार्थों के वीडियो अपलोड किए हुए हैं। इनके माध्यम से आसानी से पता कर सकते हैं, वहीं किसी भी खाद्य विभाग की मिलावट की शंका है तो वाट्सएप पर 9406764084 पर शिकायत कर सकते हैं। यदि आप अपना नाम और मोबाइल नंबर भी नहीं बताना चाहते हैं तो एमपीएफडीएएमआइएस.इन पर शिकायत कर सकते हैं। वहीं फूड सेफ्टी कनेक्ट ऐप भी शिकायत की जा सकती है।

जिला न्यायालय की पार्किंग में आंशिक बदलाव, सुबह डेढ़ घंटा आ-जा सकेंगे वकीलों के वाहन

इंदौर। जिला न्यायालय की पार्किंग व्यवस्था में बुधवार से आंशिक बदलाव किया गया है। वकीलों के वाहन सुबह 10 से 11.30 बजे और शाम पांच बजे बाद जिला न्यायालय परिसर में आ-जा सकेंगे। वकीलों को बस्ता और पुस्तकें टेबलों पर रखने के लिए यह सुविधा दी गई है। टेबल और बैठकों पर पुस्तकें और बस्ता रखने के बाद ये वाहन तुरंत पार्किंग में रवाना हो जाएंगे। इसी तरह शाम 5 बजे बाद ये वाहन बस्ता और पुस्तकें लेने के लिए परिसर में आ सकेंगे। जिला न्यायालय परिसर की बदहाल पार्किंग व्यवस्था को सुधारने के उद्देश्य से हाल ही में होप मिल की जमीन पर पार्किंग बनाई गई है। इसके चालू होने के बाद जिला न्यायालय परिसर में वाहनों की आवाजाही पूरी तरह से प्रतिबंधित कर दी गई थी। वकील इस व्यवस्था में बदलाव की मांग कर रहे थे।

इंदौर में अंगुली पर मतदान का निशान दिखाओ और पोहा-जलेबी, आइस्क्रीम, कोल्ड ड्रिंक्स, नूडल्स फ्री में खाओ

इंदौर। लोकसभा चुनाव में इंदौर को मतदान में नंबर वन बनाया जाएगा। मतदान का प्रतिशत बढ़ाने के लिए नवाचार और अनूठी पहल की जा रही है। 13 मई को मतदान करने वालों को पोहे, जलेबी, आइस्क्रीम, कोल्ड ड्रिंक्स, नूडल्स और मंचूरियन फ्री में खिलाए जाएंगे। उन्हें खरीदी पर आकर्षक डिस्काउंट भी दिया जाएगा। यह निर्णय सिटी बस कार्यालय परिसर में मंगलवार को कलेक्टर आशीष सिंह की अध्यक्षता में आयोजित 'मतदाता जागरूकता संवाद' के अंतर्गत शहर के शहर के विभिन्न व्यावसायिक संस्थानों व संगठनों के पदाधिकारियों ने लिया। मतदाता जागरूकता के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे।

बैठक में नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा, स्मार्ट सिटी के सीईओ दिव्यांक सिंह, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सिद्धार्थ जैन सहित अन्य अधिकारी और शहर के विभिन्न मार्केट एसोसिएशन, खाद्य सामग्री एसोसिएशन, कैफे, माल होटल एसोसिएशन आदि संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। कलेक्टर सिंह ने कहा कि इंदौर में अधिक से अधिक मतदान हो और इंदौर नंबर वन बने इसके लिए समाज के सभी वर्गों को अपनी महती भूमिका निभाना होगी। कलेक्टर ने उपस्थितजन को मतदान करने और दूसरे को मतदान के लिए प्रेरित करने की शपथ भी दिलाई। इस अवसर पर मतदाताओं को जागरूक करने के लिए व्यवसायिक संस्थाओं द्वारा लिए गए निर्णयों की जानकारी दी गई।

छप्पन दुकान पर सुबह 7 से 9 बजे तक फ्री में पोहा-जलेबी

छप्पन दुकान एसोसिएशन द्वारा 13 मई को सुबह 7 से 9 बजे तक मतदान कर आने वाले मतदाताओं को पोहा व जलेबी फ्री में खिलाई जाएगी। ऐसे युवा मतदाता जिन्होंने पहली बार अपने मताधिकार का उपयोग किया है, उन्हें मुक्त आइस्क्रीम खिलाई जाएगी। कृष्णपुरा छत्री रोड बजरंग मंदिर के पास च्वाइस चाइनीज सेन्टर द्वारा मतदान कर आने वाले मतदाताओं को मंचूरियन एवं नूडल्स मुक्त में खिलाए जाएंगे।

व्यावसायिक संस्थाओं का निर्णय, इंदौर को बनाया जाएगा मतदान में नंबर वन, मतदाता जागरूकता के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे

यहां मिलेगा 10 प्रतिशत का डिस्काउंट

अपना स्वीट्स द्वारा अपने सभी आउटलेट एवं ग्रांड माचल रिसोर्ट में मतदान करके आने वालों को 10 प्रतिशत का आकर्षक डिस्काउंट दिया जाएगा। बैठक में रोहन झांझरिया द्वारा बताया गया कि शहर के चुनिंदा 50-60 मतदान केंद्रों पर मतदाताओं को फ्री नाश्ता एवं कोल्ड ड्रिंक्स दी जाएगी। होटल एसोसिएशन द्वारा भी मतदाताओं को आकर्षक डिस्काउंट दिया जाएगा।

मतदाताओं की सुविधा के लिए होंगे विशेष इंतजाम

कलेक्टर आशीष सिंह ने बताया कि इंदौर के मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की सुविधा के लिए छाया, बैठक, पीने के ठंडे पानी, पंखे-कूलर आदि की व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने आग्रह किया कि मतदान केंद्रों को और अधिक सुविधा सम्पन्न बनाने के लिए संस्थाएं और संगठन भी अपने स्तर से मदद करें।

संपादकीय | अब किसी भी उम्र में खरीदा जा सकता है स्वास्थ्य बीमा

गंभीर और ऐसी बीमारियों, जिनके इलाज में भारी रकम खर्च करनी पड़ती है, स्वास्थ्य बीमा लोगों के लिए बहुत बड़ा सहारा साबित होता है। स्वास्थ्य बीमा शुरू करने का मकसद भी यही था कि लोगों को स्वास्थ्य पर होने वाले खर्च की चिंता से मुक्त रखा जा सके। मगर इसमें एक बड़ी अड़चन थी कि पैंसठ वर्ष से अधिक उम्र के लोग स्वास्थ्य बीमा नहीं खरीद सकते थे। आमतौर पर ज्यादातर लोगों को इसी उम्र के बाद स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां घेरती हैं।

मगर स्वास्थ्य बीमा न खरीद पाने के चलते वे निराश हो जाते थे। फिर, कैंसर, हृदय रोग या एड्स जैसी कुछ गंभीर बीमारियों से ग्रस्त लोगों को इसकी सुविधा उपलब्ध नहीं थी। इसके अलावा, स्वास्थ्य बीमा खरीदने के बाद अड़तालीस महीने तक उसका लाभ नहीं उठाया जा सकता था। अब भारतीय बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण ने इन अड़चनों को दूर करते हुए नियम जारी किया है कि पैंसठ वर्ष से अधिक आयु के लोग भी स्वास्थ्य बीमा खरीद सकेंगे। यानी अब किसी भी उम्र में स्वास्थ्य बीमा खरीदा जा सकता है। बीमा कंपनियां अब कैंसर, एड्स और हृदय रोग जैसी बीमारियों की वजह से किसी को बीमा देने से इनकार नहीं कर सकतीं। बीमा खरीदने के छत्तीस महीने बाद उसका लाभ उठाया जा सकेगा।

बीमा क्षेत्र को विस्तार देने और प्रतिस्पर्धी बनाने के मकसद से इस क्षेत्र में निजी बैंकों और विदेशी कंपनियों के लिए सौ फीसद निवेश का रास्ता खोला गया था। फिर बीमा कंपनी बदलने की भी छूट दे दी गई थी। निस्संदेह इससे बीमा कंपनियों में प्रतिस्पर्धा बढ़ी और लोगों को इसका लाभ मिलना भी शुरू हो गया। मगर स्वास्थ्य बीमा

के मामले में कई तरह की अड़चनें बनी हुई थीं। उम्र और कुछ गंभीर बीमारियां इस रास्ते में बड़ी बाधा थीं। अब उनके हट जाने से निस्संदेह बहुत सारे लोगों के लिए आसानी हो जाएगी।

अब जिस तरह जलवायु परिवर्तन और बदलती स्थितियों के चलते अनेक प्रकार की नई-नई बीमारियां पैदा हो रही हैं और बहुत सारे लोगों के लिए इलाज कराना मुश्किल होता जा रहा है, उसमें बीमा कंपनियों का वृद्धावस्था की ओर बढ़ती आबादी को इस सुविधा से वंचित रखना उचित नहीं था। दुनिया के अनेक देशों में वृद्धों की सेहत पर विशेष ध्यान दिया जाता है, मगर जिस तरह हमारे देश में सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं पर बोझ और उनमें सुविधाओं का अभाव बढ़ता गया है, उसमें बुजुर्ग आबादी की सेहत का ध्यान रखना चुनौती बनता गया है।

ऐसे में स्वास्थ्य बीमा की शर्तों को लचीला बनाने से कुछ बेहतर नतीजे मिल सकते हैं। मगर अब भी स्वास्थ्य बीमा योजनाओं को पुख्ता, पारदर्शी और प्रभावशाली बनाने की जरूरत रेखांकित की जाती रहती है। केंद्र सरकार ने आयुष्मान योजना के तहत करोड़ों लोगों को स्वास्थ्य बीमा की सुविधा उपलब्ध करा रखी है। कुछ लोग कंपनियों आदि की सामूहिक बीमा के अंतर्गत आते हैं।

कुछ लोगों ने निजी स्तर पर स्वास्थ्य बीमा ले रखा है। मगर चूंकि स्वास्थ्य बीमा की सुविधा का लाभ निजी अस्पतालों में ही लिया जाता है, वहां इनके दावे आदि को लेकर कई तरह की अनियमितताओं की शिकायतें मिलती रहती हैं। कोरोना काल के बाद स्वास्थ्य बीमा की वार्षिक किस्तें पचास फीसद से अधिक बढ़ चुकी हैं। इसलिए स्वास्थ्य बीमा नियमों को लचीला बनाने के साथ-साथ इन्हें व्यावहारिक और पारदर्शी बनाने की दिशा में भी भरोसेमंद कदम उठाने की जरूरत है।

सोशल मीडिया से...

देश में दलितों, पिछड़ों व आदिवासियों का आरक्षण न खत्म होगा न ही उसे धर्म के नाम पर बांटने दिया जाएगा। क्या कांग्रेस ऐलान करेगी कि वे संविधान में दलितों, पिछड़ों, आदिवासियों के आरक्षण को कम करके इसे मुसलमानों को नहीं बांटेगी?

नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

एक समय था, जब बसों में सफर करने वाले लोग अपनी सीट पर निशानी लगाने के लिए अपना रुमाल छोड़ दिया करते थे, ताकि उस पर कोई न बैठे। राहुल गांधी भी रुमाल से अपनी सीट पर निशान लगाने आएंगे, क्योंकि उनके जीजा जी की नजर इस सीट पर है।

स्मृति ईरानी, केंद्रीय मंत्री

ये चुनाव सिर्फ हमारे प्रत्याशियों को जिताने का चुनाव नहीं है बल्कि यह चुनाव हमारे प्रत्याशियों के माध्यम से विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने का चुनाव है और इसीलिए हमें एक मजबूत, स्थिर और निर्णायक सरकार चाहिए।

जेपी नडडा, भाजपा अध्यक्ष

कांग्रेस के महत्वपूर्ण पद पर बैठे एक नेता ने कहा कि इस देश में पहला अधिकार मुस्लिम बंधुओं का है। कांग्रेस के लोग सेना के शौर्य और पराक्रम को नकारते हैं। इसके लिए कांग्रेस को माफी मांगना चाहिए। ये भाव हमारे भारत में नहीं चल सकता है। इस प्रकार की व्यवस्था की कोई अनुमति नहीं दे सकते।

डॉ. मोहन यादव, सीएम मप्र

आज का कार्टून

दल-बदल विरोधी कानून खत्म हो!

निस्संदेह, दल-बदल रोक कानून मानवीय स्वतंत्रता और गरिमा के विरुद्ध है। यह सांसदों, विधायकों को अनुचित बंधन में रखता है। असहमति की आवाज रोकता है। दल के ऊपरी चालबाजों, हवाबाजों की तानाशाही व बेवकूफियाँ बढ़ाने का औजार बनता है। क्योंकि सांसद उन का हाथ नहीं पकड़ सकते। जबकि कहीं भी असुविधाजनक सच कहने वाला प्रायः अकेला होता है। तानाशाही के विरुद्ध उभरने वाला स्वर भी पहले अकेला ही होता है। अतः अभिव्यक्ति और गतिविधि की स्वतंत्रता हर मनुष्य का जन्मसिद्ध अधिकार है - मुख्यतः अकेले स्वर का ही अधिकार है! वह किसी सांसद से ही छीन ली जाए, यह घोर विडंबना है! कि देश का प्रतिनिधि, देश की सर्वोच्च विचार-सभा में भी, मन की बात बोलने में डरे। असहमति में कदम उठाने के लिए पहले उसे 'झुंड' बनना पड़े - यह स्वतंत्रता की मूल भावना के विरुद्ध है।

शंकर शरण

दल-बदल रोक कानून मानवीय स्वतंत्रता और गरिमा के विरुद्ध है। यह सांसदों, विधायकों को अनुचित बंधन में रखता है। असहमति की आवाज रोकता है। दल के ऊपरी चालबाजों, हवाबाजों की तानाशाही व बेवकूफियाँ बढ़ाने का औजार बनता है। क्योंकि सांसद उन का हाथ नहीं पकड़ सकते। जबकि कहीं भी असुविधाजनक सच कहने वाला प्रायः अकेला होता है। तानाशाही के विरुद्ध उभरने वाला स्वर भी पहले अकेला ही होता है। अतः अभिव्यक्ति और गतिविधि की स्वतंत्रता हर मनुष्य का जन्मसिद्ध अधिकार है - मुख्यतः अकेले स्वर का ही अधिकार है! वह किसी सांसद से ही छीन ली जाए, यह घोर विडंबना है!

यूरोप अमेरिका के लोकतंत्रों में दल-बदल विरोधी कानून नहीं है। सांसदों को दल छोड़ने/बदलने का अधिकार है। जो भारत में उन से छीन लिया गया है। इस से अनेक विकृतियाँ पैदा हुई हैं।

मसलन, भाजपा सुप्रीमो बरसों से अनेक ऐसे ऊटपटाँग कर रहे हैं, जिस में उन्हें चार बार सोचना पड़ता यदि सांसदों को वह विचार स्वतंत्रता तथा कार्य अधिकार होता, जो उन्हें संविधान से मिला हुआ था। ब्रिटिश भारत में भी, 1920 से ही निर्वाचित जनप्रतिनिधि अपने दल में रहने/छोड़ने के लिए स्वतंत्र थे। उन का यह अधिकार छ दशक तक अबाध रहा, जिस से कभी कोई हानि होने का उदाहरण नहीं है। यही यूरोप अमेरिका का भी अनुभव है।

पर यहाँ वह स्वतंत्रता 1985 में संविधान संशोधन कर खत्म कर दी गई। उस ने पार्टी सुप्रीमो को सांसदों का मालिक बना डाला।उन के लिए सांसदों की राय बेमतलब हो गई। सुप्रीमो कुछ भी करे, उस के सांसद चुप देखने के सिवा कुछ नहीं कर सकते। क्यों कि इन की विचार व कार्य स्वतंत्रता छिन चुकी है! यह बड़ा अनर्थ हुआ है। इसे सिद्धांत और व्यवहार, दोनों में देख सकते हैं।?

यह दलील कि 'सांसद को दल-टिकट मिला था, अतः उसे दल बदलने का हक नहीं' अधूरी बात है। एक तो टिकट मिलता ही है व्यक्ति का मोल आँक कर। पर सर्वोपरि यह कि यहाँ चुनाव प्रणाली और संविधान में भी व्यक्ति मुख्य है, दल कुछ नहीं। कोई दल रातो-रात भंग, या अन्य दल में विलीन हो जाए तब भी उस के सांसद अपना पद नहीं खोएंगे। संसद सदस्यता दलीय अस्तित्व से स्वतंत्र हैसियत रखती है। दल-बदल रोक कानून ने इस बुनियादी संवैधानिक स्थिति पर पर्दा डाल दिया है।

जबकि वह दलील किसी कंपनी-कर्मी पर अधिक सही है। कंपनी ने कर्मी को विदेश भेजा, ट्रेनिंग दी, वेतन-गाड़ी दी, अनुभव दिया, आदि। सो वह कंपनी नहीं छोड़ सकता, और 'कंपनी-बदल' रोका जाए! यह दलील शायद ही किसी को ठीक लगे। पर यह राजनीतिक दलों पर और बेठीक है। दल टिकट के बिना भी कोई चुनावी उम्मीदवार और फिर सांसद विधायक बन सकता है। टिकट निर्जीव चोला भर है। जबकि उम्मीदवार व्यक्ति सजीव शरीर है। अतः दल टिकट को सारा महत्व देकर सांसद के व्यक्तित्व व योग्यता को शून्य बताना गलत दलील है। इसलिए वह कानून गलत है।

भारतीय संविधान में भी यही भाव था। उस में राजनीतिक दल का उल्लेख तक न था। यानी, दल अनगिनत प्रकार के सामाजिक संगठनों जैसे सामान्य थे। लेकिन उस कानून के बाद से पूरी संसदीय प्रक्रिया पर

दलों का कब्जा हो गया। यह संविधान का भीतरघात है। फिर, वह कानून सिद्धांतहीन भी है। उस के अनुसार झुंड में सांसद दल-बदल कर सकते हैं। पर अकेले-दुकेले करना दंडनीय है। मानो अकेले धोखाधड़ी करना अवैध हो, पर गिरोह बनाकर वैध हो !याद रहे, आधुनिक कानून व्यक्ति को उत्तरदाई रखते हैं। यदि दल-बदल अपराध होता, तो झुंड बनाकर करना भी अपराध ही रहता। परन्तु चूँकि दल छोड़ना बदलना अपराध है ही नहीं, इसलिए यह कानून मूलतः निराधार और विचारहीन है।

वस्तुतः कंपनी छोड़ने/बदलने और पार्टी छोड़ने/बदलने में समान मनोभाव है। परिस्थिति अनुसार अपना लाभ, सुविधा, भविष्य, आदि देखकर कोई कभी एक, तो कभी दूसरी, और फिर ठीक लगे तो पुनः पुरानी कंपनी में वापस आता है।? इसे कोई अनुचित नहीं समझता। कंपनी मालिक हाय-तौबा नहीं करते कि कानून बनाकर हमारे कर्मी को दूसरी कंपनी जाने से रोकें! अपने कर्मी को संतुष्ट रखना कंपनी की जिम्मेदारी है, यह सर्व स्वीकृत है। यही मान्यता यूरोप अमेरिका में राजनीतिक दलों के लिए भी है। वहाँ दलों की प्रतिष्ठा के कारण सांसद साथ बने रहते हैं, न कि जबरिया या भय से। वहाँ दल छोड़ना बदलना किसी सांसद का अधिकार है। इस से वहाँ सांसद लोग इधर-उधर नहीं होते रहते। बल्कि वहीं दलीय व्यवस्था अधिक स्थिर और जिम्मेदार बनी है।

मूल भारतीय संविधान की भी वही मान्यता थी। संसद?/विधान सभा के कार्य में दल का कोई स्थान ही नहीं था। सारी जिम्मेदारी अदद सांसद, अदद सभापति, अदद मंत्री, आदि की रखी गई थी। अर्थात, उत्तरदायित्व का आधार व्यक्ति था। दल और सांसद का संबंध सदन से बाहर का था। यह बुनियादी बात है, और सोचने की है कि उस मान्यता को हटाने से कितनी हानियाँ हुई हैं। संविधान में दिए गए व्यवस्थापिका और कार्यपालिका के पृथक्करण का भी घोल-मट्ठा हो गया है। सदन के अध्यक्ष की जो हस्ती पहले थी, वह लुप्त हो गई है।

यूरोपीय या अमेरिकी लोकतंत्रों में दल-बदल रोक कानून नहीं होने से दलीय नेतृत्व गंभीरता से काम करते हैं। इसे वहाँ यहाँ की तुलना कर देख सकते हैं। वहाँ दल के सुप्रीमो मनमाने नाटक, डींगबाजी, या ऊटपटाँग घोषणाएं नहीं किया करते। न ही जहाँ-तहाँ नेताओं की मनमानी खरीद करते रहते हैं। यहाँ दल-बदल रोक कानून किन्हीं नेताओं ने अपनी सुविधा के लिए रचा था। तब से सत्ताधारी सुप्रीमो अपने सांसद विधायक को गुलाम, और अन्य दलों के विधायकों को शिकार बनाते रहे हैं। उस कानून की फूहड़ता का सब से लज्जास्पद प्रमाण यह है कि सिरमौर कानून-निर्माता ही दलबदल कराते रहते हैं!

दूसरा प्रमाण, कि भारत में जब तक वह कानून न था, तब दल-बदल बहुत कम होते थे। दल सुप्रीमो अपने सांसद विधायक के साथ अधिक सम्मानपूर्ण थे। उन में परस्पर सहयोग का मित्र-भाव था, साहब-अर्दली वाला हीन-भाव नहीं। दल से उन की और उन से दल की पहचान-प्रतिष्ठा जुड़ी थी। इसलिए दल-बदल कम होते थे। लेकिन दल-बदल रोक कानून ने समानता का भाव खत्म कर सुप्रीमो को भारी ताकत दे दी। अब वे अपने सांसद विधायक को बंधुआ समझ सकते थे। इसीलिए दल-बदल के हर खतरे/हमले के बाद अपने विधायकों या नये शिकार विधायक झुंड को कैद कर फाइवस्टार 'बाड़े' में बंद रखा जाता है। कैसा शर्मनाक तमाशा - संविधान में सब से बड़े पदधारी, कानून-निर्माताओं, को खुलेआम अपमानित करना कि वे अविश्वसनीय या बिकाऊ माल से अधिक कुछ नहीं!

अतः दल-बदल रोक कानून ने केवल हीन प्रवृत्तियाँ बढ़ाई। सांसद विधायक की गरिमा गिराई। दलीय फिक्सरों की महत्ता बनाई, जो अदृश्य रह कर संसद/विधानसभा की पूरी प्रक्रिया मुट्ठी में रखते हैं। सरकारों की उलट-फेर करते हैं, जब कि इन कृत्यों के लिए खुद जबावदेह नहीं होते। पहले अदद सांसद/विधायक अपने दल, नेता, मतदाता, व मित्रों-सहयोगियों के समक्ष एक स्वाभिमान भाव महसूस करते थे। और आज? सत्ताधारी दलों के विचारवान सांसद, विधायक हाथ-पैर बँधे जीव जैसे लाचार, निर्विकार लगते हैं। यह समझते हुए कि उन के हाथ में कुछ नहीं। अपना बयान भी नहीं! ऐसे विवश सांसदों, विधायकों की बहुतायत में कोई देश भाग्यहीन ही होगा।

निस्संदेह, दल-बदल रोक कानून मानवीय स्वतंत्रता और गरिमा के विरुद्ध है। यह सांसदों, विधायकों को अनुचित बंधन में रखता है। असहमति की आवाज रोकता है। दल के ऊपरी चालबाजों, हवाबाजों की तानाशाही व बेवकूफियाँ बढ़ाने का औजार बनता है। क्योंकि सांसद उन का हाथ नहीं पकड़ सकते।

जबकि कहीं भी असुविधाजनक सच कहने वाला प्रायः अकेला होता है। तानाशाही के विरुद्ध उभरने वाला स्वर भी पहले अकेला ही होता है। अतः अभिव्यक्ति और गतिविधि की स्वतंत्रता हर मनुष्य का जन्मसिद्ध अधिकार है - मुख्यतः अकेले स्वर का ही अधिकार है! वह किसी सांसद से ही छीन ली जाए, यह घोर विडंबना है! कि देश का प्रतिनिधि, देश की सर्वोच्च विचार-सभा में भी, मन की बात बोलने में डरे। असहमति में कदम उठाने के लिए पहले उसे 'झुंड' बनना पड़े - यह स्वतंत्रता की मूल भावना के विरुद्ध है।

इस से हानि हुई है। पहले यहाँ दलीय गतिविधियाँ और फैसले अधिक उत्तरदायित्वपूर्ण थे। दलीय सुप्रीमो जिम्मेदारी से कदम उठाते थे। उन्हें अपने सांसदों विधायकों की नजर का ध्यान रखना होता था। जो मनमानियों और मूर्खताओं पर स्वतः अंकुश था। वे अपने सांसदों को जेब में समझ कर नहीं चल सकते थे। दल-बदल विरोधी कानून ने यह सब बिगाड़ कर रख दिया है। यह देख सकना चाहिए।

कांग्रेस को फिर बड़ा झटका देने की तैयारी, कल मुख्यमंत्री मोहन यादव की उपस्थिति में 8000 कांग्रेसी भाजपा में होंगे शामिल

इंदौर। भाजपा ने इंदौर में कांग्रेस को बड़ा झटका देने की तैयारी कर ली है। गुरुवार दोपहर करीब 12 बजे मुख्यमंत्री मोहन यादव की उपस्थिति में आठ हजार से ज्यादा कांग्रेसी भाजपा में शामिल होंगे। कार्यक्रम विधानसभा क्षेत्र एक स्थित दलाल बाग मैदान पर होगा। कार्यक्रम के संयोजक पूर्व विधायक संजय शुक्ला ने बताया कि कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल होने वालों में इंदौर विधासनभा क्षेत्र एक, देपालपुर, बेटमा, गौतमपुरा के कार्यकर्ताओं के साथ-साथ इंदौर नगर निगम के कई वर्तमान पार्षद, मंडल अध्यक्ष, वार्ड अध्यक्ष, सेवादल के पदाधिकारी, सरपंच आदि शामिल हैं। मुख्यमंत्री दलाल बाग से कलेक्टर कार्यालय चौराहा पहुंचेंगे। वे वहां भाजपा प्रत्याशी शंकर लालवानी के समर्थन में जनसभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री रैली के रूप में कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर लालवानी का नामांकन फार्म जमा कराएंगे।

कई बड़े नामों से चल रही है चर्चा

पूर्व विधायक शुक्ला ने बताया कि दलाल बाग में होने वाले कार्यक्रम में कांग्रेस के कई बड़े नाम भाजपा में शामिल होंगे। पार्षदों के अलावा कई पूर्व पार्षदों, सरपंचों से अंतिम दौर की चर्चा चल रही है। कई बड़े नेता सीधे कार्यक्रम स्थल पर पहुंचकर मुख्यमंत्री के हाथों भाजपा की सदस्यता गृहण करेंगे।

पंचायत भवन के पास होगा कार्यकर्ता एकत्रीकरण

भाजपा के मीडिया प्रभारी रितेश तिवारी और सह प्रभारी नीतिन द्विवेदी ने बताया कि कलेक्टर चौराहा पर होने वाली मुख्यमंत्री की सभा में 10 हजार से ज्यादा कार्यकर्ताओं के शामिल होने की उम्मीद है। कार्यकर्ता एकत्रीकरण पंचायत भवन के पास होगा। कार्यक्रम की सूचना कार्यकर्ताओं को टेलीफोन के माध्यम से दे दी गई है।

आपकी शिकायत/समस्याओं में
आपका साथी
दैनिक सद्भावना पाती
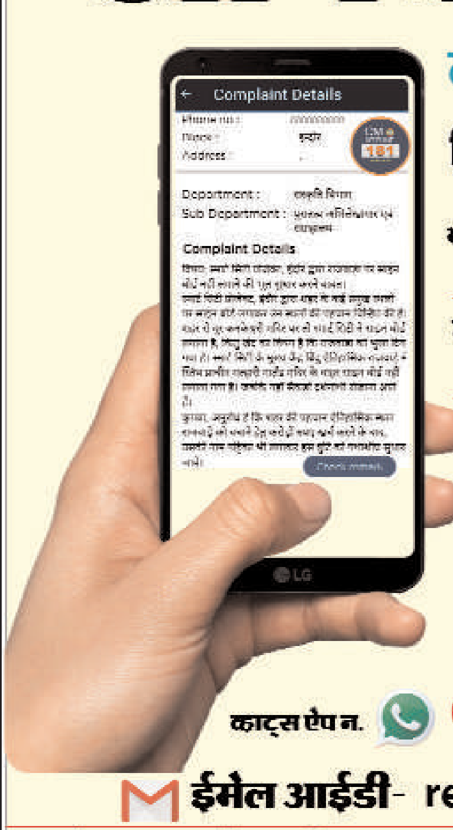

शिकायत / पत्र संपादक के नाम
आप किसी समस्या, शिकायत, मुद्दे, जानकारी, गड़बड़ी, भ्रष्टाचार, नियम विरुद्ध काम आदि की शिकायत संपादक के नाम व्हाट्सएप पर भेज सकते हैं।
सर्वप्रथम आप अपने मोबाइल में सीएम हेल्पलाइन 181 एप डाउनलोड करें
और उस पर शिकायत उपरांत हमे उसका स्क्रीन शॉट और फोटो भेजें।
हम उस शिकायत को दैनिक सदभावना पाती में प्रकाशित करेंगे और आपकी समस्या/शिकायत को शीघ्र खत्म करने का प्रयास करेंगे।
केवल व्हाट्स एप करें, कॉल न करें।
व्हाट्स ऐप न. 9685611304
ईमेल आईडी- reporter.spnews@gmail.com
नोट :- जनहित की समस्याओं पर उचित ईनाम भी दिया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

कारोबारी गतिविधियां अप्रैल में 14 साल के शीर्ष पर, नौकरियों में वृद्धि को मिला समर्थन

नईदिल्ली, एजेंसी। मजबूत मांग के कारण देश की कारोबारी गतिविधियां अप्रैल में लगभग 14 वर्षों के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है। यह मजबूत आर्थिक विकास का संकेत है। एचएसबीसी का खरीद प्रबंधक सूचकांक यानी पीएमआई अप्रैल में बढ़कर 62.2 हो गया। मार्च में यह 61.8 पर था। पीएमआई से पता चलता है कि विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों में विस्तार का संकेत है। महंगाई में कमी के बावजूद रेपो दर में कटौती में देरी हो सकती है क्योंकि महंगाई में आगे बहुत गिरावट की संभावना नहीं है। सर्वेक्षण में कहा गया है कि पिछली कुछ तिमाहियों में मजबूत विस्तार के बाद इस साल भारत सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बने रहने के लिए अच्छी स्थिति में है। अगस्त 2021 से पीएमआई 50 से ऊपर रहा है। 50 से ऊपर का मतलब कारोबारी गतिविधियों में तेजी और इससे कम का मतलब कमजोरी है। एचएसबीसी के भारत में मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा, नए ऑर्डरों में बढ़ोतरी से विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों में मजबूत प्रदर्शन दिखा है। बढ़ती मांग को पूरा करने के प्रयासों से नौकरियों में वृद्धि को समर्थन मिला, जो विनिर्माण क्षेत्र में सबसे अधिक था। यह डेढ़ साल में सबसे तेज गति से बढ़ी। हालांकि मांग की मजबूती से खर्चों का भार ग्राहकों पर डाल दिया गया। सर्वे के अनुसार, महंगाई इतनी तेजी से नहीं गिर सकती कि आरबीआई किसी भी समय दर में कटौती पर विचार करना शुरू कर दे।

सरकारी कंस्ट्रक्शन कंपनी के पास बड़े ऑर्डर, शेयर पर टूटे निवेशक

नईदिल्ली, एजेंसी। सरकारी कंस्ट्रक्शन कंपनी एनबीसीसी लिमिटेड के शेयर में मंगलवार को तूफानी तेजी दर्ज की गई। सप्ताह के दूसरे कारोबारी दिन यह शेयर करीब 8 फीसदी चढ़ गया। कारोबार के अंत में शेयर 134.40 रुपये पर बंद हुआ। एक दिन पहले के मुकाबले शेयर 7.78 प्रतिशत चढ़कर बंद हुआ। ट्रेडिंग के दौरान शेयर की कीमत 136.65 रुपये तक पहुंच गई। बता दें कि 5 फरवरी 2024 को शेयर 176.50 रुपये तक पहुंच गया। यह शेयर के 52 हफ्ते का हाई है। 25 अप्रैल 2023 को शेयर की कीमत 37.51 रुपये तक गिर गई। यह शेयर के 52 हफ्ते का लो लेवल है। दरअसल, एनबीसीसी लिमिटेड ने स्टॉक एक्सचेंज को बिजनेस अपडेट बताया है। कंपनी ने कहा कि उसने पिछले वित्त वर्ष के दौरान 23,500 करोड़ रुपये की परियोजनाएं हासिल कीं। वित्तवर्ष 2023-24 में प्राप्त प्रमुख ऑर्डरों के बारे में एनबीसीसी ने कहा कि उसे आम्रपाली में लगभग 10,000 करोड़ रुपये के अतिरिक्त एफएआर (फ्लोर एरिया रेशियो) के काम मिले हैं। एनबीसीसी के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक के पी महादेवस्वामी ने निर्माण और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में, विशेष रूप से पुनर्विकास और जमीन को बजार पर चढ़ाने के प्रयासों में कंपनी की ताकत पर जोर दिया। एनबीसीसी को केरल राज्य हाउसिंग बोर्ड (केएसएचबी) से दिल्ली के बाहर 2,000 करोड़ रुपये की पहली पुनर्विकास परियोजना भी मिली।

टेस्ला प्लांट के लिए भारत को अभी करना होगा इंतजार

कंपनी सस्ती इलेक्ट्रिक कार बाहर से बनाकर देश में बेचेगी

नईदिल्ली, एजेंसी। सरकार की नई ईवी पॉलिसी के बाद टेस्ला के लिए भारतीय बाजार की राह आसान हो गई है। माना जा रहा है कि कंपनी इस साल के आखिर तक कुछ सस्ती इलेक्ट्रिक कारों के साथ भारतीय बाजार में दस्तक देगी। इस बीच, कंपनी भारत में अपना प्लांट लगाने पर भी काम कर रही है। अब टेस्ला ने कहा है कि वो इस साल के आखिर में नए और अफॉर्डेबल ई-व्हीकल बनाने के लिए अपने मौजूदा प्लांट का इस्तेमाल करेगी। ऐसे में कंपनी फ्यूचर में मैक्सिको और भारत में नए प्लाटं पर जो निवेश करने वाली है उसकी संभावना कम हो गई है।

टारगेट पूरा नहीं, फिर भी शेयर में तेजी

कंपनी ने बताया कि वो नई मैन्युफैक्चरिंग लाइन में निवेश करने से पहले 2023 से लगभग 3 मिलियन व्हीकल की अपनी मौजूदा प्रोजक्शन कैपेसिटी को 50 प्रतिशत तक बढ़ाने की योजना बना रही है। कंपनी ने बताया कि इसके चलते पहले की तुलना में लागत में कमी आ सकती है। प्लांट में निवेश करने वाले निवेशकों ने भी नई फैक्ट्रियों में नए मॉडल बनाने का जोखिम ना लेने के फैसले पर खुशी जताई। इस तिमाही नतीजों में कंपनी का फाइनेंशियल टारगेट पूरा नहीं हुआ। इसके बाद भी टेस्ला के शेयर 12 प्रतिशत तक ऊपर चले गए थे।

मॉडल 2 लॉन्च करने की योजना रद्द

इवॉल्व ईटीएफ के चीफ इनवेस्टमेंट ऑफिसर इलियट जॉनसन ने कहा, मुझे लगता है कि बाजार में नई चुनौतियों को स्वीकार करते हुए अपने मौजूदा प्लांट में सस्ते प्रोडक्ट को तैयार करना पॉजिटिव कदम है। हालांकि, कंपनी अपनी योजना के साथ आगे नहीं बढ़ रही है। रॉयटर्स ने 5 अप्रैल की एक रिपोर्ट में कहा था कि टेस्ला ने अपने सस्ती इलेक्ट्रिक कार मॉडल 2 को लॉन्च करने की योजना को रद्द कर दी है। जिसे टेस्ला ने टेक्सास, मैक्सिको और एक तीसरे देश में बनाने की योजना बनाई थी। उम्मीद की गई थी कि मॉडल 2 की कीमत 25,000 डॉलर होगी। हालांकि, रॉयटर्स की रिपोर्ट पर एलन मस्क ने सोशल मीडिया पर लिखा था कि रॉयटर्स झूठ बोल रहा है।

पुराने प्लांट से ही नए व्हीकल तैयार होंगे

जनवरी में मस्क ने कहा था कि टेस्ला का लक्ष्य 2025 की दूसरी छमाही में नया सस्ता मॉडल पेश करने पर है। इस मॉडल में रिवॉल्यूशनरी मैन्युफैक्चरिंग टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया जाएगा जो टेस्ला के लिए नई राह तैयार करेगी। अब टेस्ला के इंजीनियरिंग हेड लार्स मोरावी ने मंगलवार को कहा कि नई मैन्युफैक्चरिंग प्रोसेस और प्रोडक्शन लाइनें कुछ रिस्क के साथ आती हैं। ऐसे में कंपनी ने कम लागत वाले व्हीकल को बेहतर बनाने के लिए अपने प्लांट की मेजर शिफ्ट में बदलाव किया है।

भारत की योजना पर फिलहाल चुप्पी

उम्मीद इस बात की थी कि मस्क सोमवार को भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलेंगे। वे एक छोटे और अफॉर्डेबल मॉडल के प्रोडक्शन के लिए एक ऑटो फैक्ट्री में बड़े निवेश की घोषणा करेंगे। मस्क ने पिछले साल कहा था कि टेस्ला मैक्सिको में अपना प्लांट बनाएगी, लेकिन प्लांट कब तक तैयार होगा इस बात का फैसला अर्थव्यवस्था और ब्याज दरों पर निर्भर करेगा। टेस्ला ने मेक्सिको और भारत में अपनी योजनाओं पर अभी कोई जवाब नहीं दिया।

6,000 कर्मचारियों की होगी छंटनी

टेस्ला ने फाइनेंशियल ईयर 2024-25 की पहली तिमाही के नतीजों का ऐलान कर दिया। जनवरी से मार्च की इस तिमाही के दौरान कंपनी का नेट प्रॉफिट 55 प्रतिशत तक घट गया। दूसरी तरफ कंपनी ने बड़ी छंटनी का ऐलान कर दिया। कंपनी कॉस्ट कटिंग के चलते 6,000 लोगों को नौकरी से निकालने जा रही है।

गूगल ने इजरायल प्रोजेक्ट के खिलाफ धरना देने पर 20 और कर्मचारियों को निकाला

नईदिल्ली, एजेंसी। गूगल ने इजरायल प्रोजेक्ट निंबस के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन में शामिल 20 और कर्मचारियों को बाहर का रास्ता दिखाया है। ये बर्खास्तगी 16 अप्रैल को न्यूयॉर्क और सनीवेल, कैलिफोर्निया में गूगल के दफ्तरों में प्रदर्शनों के बाद हुई। टेक दिग्गज ने पिछले सप्ताह भी ऐसे ही एक मामले में अपने 28 कर्मियों को नौकरी से निकाला था।

एक रिपोर्ट के अनुसार विरोध-प्रदर्शन करने के लिए निकाले गए कर्मचारियों की कुल संख्या अब लगभग 50 हो गई है। गूगल के सुरक्षा प्रमुख क्रिस रैको ने प्रदर्शनों की निंदा करते हुए कहा, यह व्यवहार अस्वीकार्य और विघटनकारी है। इससे सहकर्मियों को खतरा महसूस हुआ।

यह बर्खास्तगी अमेरिकी संस्थाओं और इजरायल सरकार के बीच सहयोग के खिलाफ व्यापक विरोध के बीच हुई है। फिलिस्तीनी समर्थक प्रदर्शनों ने परिसरों को हिलाकर रख दिया है, जबकि गूगल के धरने से एक दिन पहले कार्यकर्ताओं ने गाजा में युद्ध का विरोध करने के लिए ट्रांसपोटेशन हब को ही ब्लॉक कर दिया। एक्टिविस्ट ग्रुप नो टेक फॉर रंगभेद के प्रवक्ता जेन चुंग ने कहा, निगम असहमति को कुचलने, अपने कर्मचारियों को चुप कराने और उन पर अपने पावर फिर से जताने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ बर्खास्त कर्मचारी दर्शक भी थे, जो इस आंदोलन में शामिल नहीं थे। प्रदर्शनकारियों ने गूगल क्लाउड के सीईओ थॉमस कुरियन के दफ्तर पर 8 घंटे से अधिक समय तक कब्जा कर लिया था। इसके बाद नौ प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। बाद में गूगल ने इसमें शामिल पाए गए 28 कर्मचारियों को निकाल दिया। प्रोजेक्ट निंबस इजरायली सरकार और उसकी सेना की एक क्लाउड कंप्यूटिंग परियोजना है। इजरायल ने इसके लिए गूगल के साथ 1.2 अरब डॉलर का समझौता किया है। बता दें कि पिछली बार की गई कार्रवाई पर गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने कहा था कि दफ्तरों में ऐसे प्रदर्शनों की इजाजत नहीं दी जा सकती है। सुंदर पिचाई ने कहा था कि वर्कप्लेस राजनीति के लिए कोई जगह नहीं है। गूगल इन्वोशन के लिए ओपन डिस्कशन को प्रोत्साहित करता है। उन्होंने कहा, आखिरकार हम एक वर्कप्लेस हैं और हमारी नीतियां और अपेक्षाएं स्पष्ट हैं। यह एक बिजनेस है। इस तरह से कार्य करने की जगह नहीं है, जो सहकर्मियों को बाधित करता है या उन्हें असुरक्षित महसूस कराता है।

बोर्ड परीक्षा में मंदसौर के एबीजीएम विद्यालय का परिणाम सर्वश्रेष्ठ

मंदसौर। माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल तथा राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा बोर्ड परीक्षा का परिणाम घोषित किया गया जिसमें सकल शिक्षक सेवा समिति तुमड़ावदा द्वारा संचालित एबीजीएम विद्यालय का परिणाम सर्वश्रेष्ठ रहा।

कक्षा 10वीं में भूमिका पाटीदार पिता शालिग्राम पाटीदार (87.20त्न), नंदिनी सोनी पिता योगेश सोनी (81.20त्न), हर्षित जैन पिता सुनील जैन (76त्न) का परिणाम सर्वश्रेष्ठ रहा। कक्षा 8वीं में दीपिका पाटीदार पिता उदयलाल पाटीदार (90त्न), कल्पना बैरागी पिता कारुदास (86.5त्न), काजल बैरागी पिता जुझारदास (85.6त्न) का परिणाम सर्वश्रेष्ठ रहा। इसके साथ ही विद्यालय में कक्षा 5वीं में कृष्णपालसिंह पिता रघुवीरसिंह (82त्न), आयुष कथरिया पिता प्रकाश कथरिया (80.2त्न), वैदिक पाटीदार पिता जगदीश पाटीदार (80.2त्न) का परिणाम सर्वश्रेष्ठ रहा।

सर्वश्रेष्ठ परिणाम प्राप्त बच्चों को शुभकामनाएं देते हुए विद्यालय के प्राचार्य इंजी. पवन पाटीदार तथा सहपप्राचार्य योगेश सोनी ने सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं को शुभकामनाएं प्रेषित की तथा विद्यालय के सर्वश्रेष्ठ परिणाम का पूरा श्रेय उनको दिया और कहा कि ये सभी शिक्षक एवं शिक्षिकाओं की कड़ी मेहनत और लगन से हुआ है। साथ ही उनका आभार व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामनाएं की।

संशोधित परिणाम को लेकर नहीं हो पाया निर्णय

इंदौर। एमजीएम मेडिकल कॉलेज के एमबीबीएस के अंतिम वर्ष की सर्जरी प्रैक्टिकल परीक्षा में संशोधित परिणाम को लेकर जबलपुर स्थित मध्य प्रदेश मेडिकल साइंस यूनिवर्सिटी (एमपीएमएसयू) में मंगलवार को कार्यकारी परिषद की बैठक हुई, लेकिन इसमें तकनीकी कारणों के चलते कोई निर्णय नहीं लिया जा सका। अब बुधवार को फिर परिणाम को लेकर बैठक आयोजित की जाएगी।इसके बाद ही निर्णय लिया जाएगा। बता दें कि प्रैक्टिकल परीक्षा में 41 विद्यार्थियों ने फेल करने का आरोप लगाया है। इसमें संशोधन के लिए यह लंबे समय पर विद्यार्थी प्रयासरत है, वहीं सर्जरी विभाग के एचओडी डा. मनीष कौशल के बहुप्रचारित आडियो के मामले में बुधवार को वह पुलिस में इसकी शिकायत करेंगे, क्योंकि उनका मानना है कि इस आडियो का संपादन किया गया है। इसमें कही गई सभी बातें उनके द्वारा नहीं की गई है, वहीं डीन द्वारा दिए गए शोकाज नोटिस का जवाब भी पुलिस में शिकायत करने के बाद ही देंगे।

'सावधान' : +62 कंट्री कोड से आ रहे धोखाधड़ी और स्पैम व्हाट्सएप कॉल

विजेश पटेल
8602008088

इंदौर. व्हाट्सएप के जरिए घोटाले और धोखाधड़ी की खबरें सुर्खियों में रहना काफी आम है। ऐसा ही एक घोटाला जो चर्चा में है, वह है +62 कंट्री कोड से संदेश और कॉल आना इस विशेष घोटाले में, जालसाज आपके बैंक विवरण प्राप्त करते समय या तो नौकरी या छोटे कार्य की पेशकश करते हैं।

किस देश का कोड है +62 -

+62 देश कोड इंडोनेशिया का है। हाल ही में, इसका उपयोग स्कैमर्स द्वारा उपयोगकर्ताओं की जेब से पैसा निकालने के लिए किया गया है। घोटालेबाज पूर्णकालिक और अंशकालिक नौकरी की पेशकश करते हैं और बदले में ज्वाइनिंग शुल्क मांगते है। जैसा कि आपने अनुमान लगाया होगा, राशि प्राप्त करने के बाद, घोटालेबाज आपको फिर कभी संदेश या कॉल नहीं करेंगे । इसके अलावा, वे आपसे

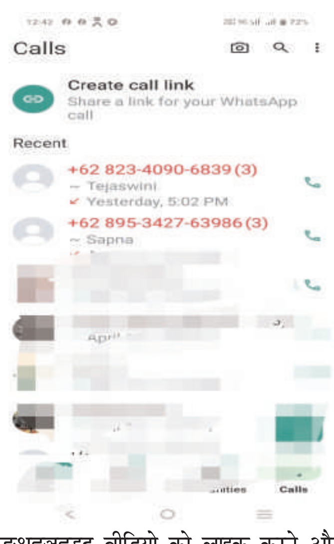

ङ्घश्चह्वह्लह्वड्ढद्ग वीडियो को लाइक करने और प्रत्येक लाइक के लिए पैसे देने के लिए भी कह सकते हैं। खुद को भरोसेमंद बनाने के लिए, वे आपके बैंक खाते में एक छोटी राशि जारी कर सकते हैं लेकिन अगली बार जब आप कार्य पूरा करेंगे तो ऐसा नहीं होगा।

ऐसे व्हाट्सएप कॉल और मैसेज आने पर ध्यान रखें -

यहां कुछ तरीके और सावधानियां दी गई हैं जिनका पालन करके आप +62 या किसी भी देश कोड के माध्यम से व्हाट्सएप कॉल और संदेशों के माध्यम से धोखाधड़ी से बच सकते हैं-

कॉल नहीं उठाना

यदि आप व्हाट्सएप कॉल प्राप्त कर रहे हैं और +62 देश कोड वाले मोबाइल नंबर को नहीं पहचानते हैं या इंडोनेशिया से किसी के संपर्क में नहीं हैं, तो ऐसी कॉल से बचने का प्रयास करें। यदि आप उनके साथ बातचीत करते हैं तो उक्त देश से कॉल करने वाले आपको किसी घोटाले में फंसाने का प्रयास कर सकते हैं। संदेश न भेजें या वापस कॉल न करें घोटालेबाज ऐसे संदेश भेज सकते हैं जिनमें आपसे पैसे या व्यक्तिगत डेटा चुराने के लिए संदिग्ध आकर्षक योजनाएं और लिंक शामिल हो सकते हैं। सुरक्षित रहने के लिए, अपरिचित नंबरों का उत्तर न दें या वापस कॉल न करें, विशेषकर +62 देश कोड से।

फ़ोन नंबर को ब्लॉक करें और रिपोर्ट करें

यदि आपको +62 देश कोड नंबरों से व्हाट्सएप कॉल और संदेशों के माध्यम से लगातार निशाना बनाया जा रहा है, तो उन्हें ब्लॉक करना और रिपोर्ट करना ही रास्ता होना चाहिए ।

ध्यान रहे की वो आपको समूहों में जोड़ सकता है

घोटालेबाज और धोखाधड़ी करने वाले आपको ऐसे समूहों में जोड़ने का प्रयास भी कर सकते हैं जो संदिग्ध योजनाओं और वेबसाइट लिंक से भरे हो सकते हैं। व्हाट्सएप उपयोगकर्ताओं द्वारा समूहों में जोड़े जाने से बचने के लिए आप सेटिंग में जाकर चेंज कर सकते है ।

आपको इन देशों से कॉल और संदेशों से बचना चाहिए -

हालिया रिपोर्टों के अनुसार, +62 (इंडोनेशिया), +84 (वियतनाम), +1 (संयुक्त राज्य अमेरिका), +212 (मोरक्को), +251 (इथियोपिया), +880 (बांग्लादेश) जैसे देशों से व्हाट्सएप कॉल और संदेश दूसरों के साथ सावधानी से व्यवहार किया जाना चाहिए।

CBSE Notifies Schools Over NCERT Online Courses For Classes 11, 12 On SWAYAM Portal

The Central Board of Secondary Education (CBSE) has written to the principals of all its affiliated schools regarding the availability of online courses for Classes 11 and 12 offered by NCERT on the Study Webs of Active Learning for Young Aspiring Minds (SWAYAM) portal.

The SWAYAM platform, launched by the Ministry of Education (MoE), Government of India, provides Massive Open Online Courses (MOOCs) aimed at enhancing learning opportunities for students. NCERT is offering online courses for Classes 11 and 12 across various subjects through SWAYAM in different cycles.

In the 13th cycle, NCERT is offering 28 online courses for Classes 11 and 12, covering 11 subjects, including Accountancy, Business Studies, Biology, Chemistry, Economics, Geography, Mathematics, Physics, Psychology, English, and Sociology. These courses will be available from April 22 to September 30, 2024. Enrollment for the courses is now open and will close on September 1. The online courses are designed to support and enrich students' learning experiences in a virtual setting. Additionally, teachers and parents are encouraged to participate in these courses to gain insights into effective teaching methodologies and subject matter. CBSE urges all schools to disseminate this information among teachers, students, and other stakeholders to maximize the benefits of these online courses. For any queries, schools may contact the helpdesk at moocs.helpdesk@ciet.nic.in or call the interactive helpdesk.

MP Board Class 10th, 12th supplementary/purak pariksha exams from June 9

Bhopal. The Madhya Pradesh Board of Secondary Education (MPBSE), Bhopal released the date sheet for the supplementary exams of Class 10 and 12. Students can check the supplementary date sheet at the official website — mpbse.nic.in. The MP board Class 10 supplementary exams will begin on June 9. As many as 1,00,377 students will appear for the MP board 2024 Class 10 Purak Pariksha exams this year. Among the students in the supplementary category, 49,877 students are boys and 50,500 are girls. This year, the overall pass percentage for the class 10 board exam is 58.10 per cent. Also, this year's class 12 pass percentage has improved from last year's 55.28 per cent to 64.48 per cent this year.

In the MP Class 10 results, a total of 991,168 students registered for the exams. Out of these, 972,322 students appeared for the exams, while 586 results were canceled, and 237 were withheld. Ultimately, the results were declared for 971,499 students. Among them, 497,029 students passed the exam, resulting in a pass percentage of 58.10 per cent for regular candidates and 13.26 per cent for private candidates.

Last year's Class 10 results were declared on May 25, by the state education minister Inder Singh Parmar. The School Education Department of Madhya Pradesh announced the same on their Twitter handle. In 2023, the overall pass percentage for Class 10 is 63.29 per cent with girls securing 66.47 pass per cent and boys securing 60.26 per cent pass percentage.

Last year, the Class 12 supplementary exam was conducted on July 17. Previous year Class 12 results were declared on May 25, by the state education minister Inder Singh Parmar. The School Education Department of Madhya Pradesh announced the same on their Twitter handle. In 2023, the overall pass percentage recorded by Class 12 is 55.28 per cent. A total of 7,29,426 students registered for the Class 12 exam, out of which 7,27,044 students appeared for the exam and 4,01,366 students cleared the exam.

वीसा इंटरव्यू में दें सही जानकारी

वीसा इंटरव्यू में आपको हमेशा ईमानदारी बरतनी चाहिए। अपने परिवार वालों से मिलने जाना अमेरिका जाने का पूरी तरह वैध कारण बनता है। यूएस वीसा के लिए बड़ी संख्या में लोग आवेदन करते हैं और इतनी बड़ी संख्या से निपटने के लिए आम तौर पर वीसा इंटरव्यू संक्षिप्त ही होते हैं। अक्सर ये महज 2 से 3 मिनट के ही होते हैं। चूंकि इंटरव्यू तेज गति से चलेगा, इसलिए बेहतर है कि आप ईमानदारी से और सीधे-सीधे जवाब दें।

इंटरव्यूइंग ऑफिसर कम समय में यह तय करने की कोशिश कर रहा होता है कि आप प्रामाणिक आवेदक हैं या नहीं। यदि ऐसा प्रतीत हुआ कि आप कोई जानकारी छुपा रहे हैं या प्रश्नों को टाल रहे हैं, तो ऑफिसर को आपकी प्रामाणिकता पर शक हो सकता है। इंटरव्यूइंग ऑफिसर यह भी पूछ सकता है कि आप क्या काम करते हैं, सो अपनी जॉब/ बिजनेस और जीवन में आपकी वर्तमान स्थिति के बारे में बताने के लिए भी तैयार रहें। चूंकि इंटरव्यू तेजी से चलता है, सो यह जरूरी है कि आप प्रश्नों के त्वरित उत्तर दें और त्वरित उत्तर देने का सबसे आसान तरीका यही है कि आप सच बोलें। वीसा इंटरव्यू में आम तौर पर दस्तावेज नहीं देखे जाते। मगर आप चाहें, तो ऐसे दस्तावेज ले जा सकते हैं, जो जीवन में आपकी वर्तमान स्थिति और आपकी यात्रा के उद्देश्य से जुड़े हों। मसलन, यदि आपकी बेटी एच1बी वर्कर वीसा पर अमेरिका में है, तो आप उसके पासपोर्ट व वीसा की कॉपी ला सकते हैं, जिससे आप ऑफिसर को बता सकें कि आपका उससे क्या रिश्ता है और यह कि वह वैध रूप से अमेरिका में काम कर रही है।

भारत समेत दुनिया भर में बढ़ रही है होम्योपैथिक डॉक्टरों की मांग

होम्योपैथिक इलाज में दवाओं का कोई दुष्प्रभाव नहीं होता है। यही कारण है कि बड़ी संख्या में लोग होम्योपैथिक उपचार पर भरोसा करते हैं। अगर आप भी होम्योपैथिक डॉक्टर बनने की चाहत रखते हैं। तो आप इस क्षेत्र में अपना करियर बना सकते हैं।

अंग्रेजी दवाओं के अलावा कई लोग होम्योपैथिक दवाओं पर भी भरोसा जताते हैं। किसी भी बीमारी व समस्या को ठीक करने के लिए होम्योपैथिक डॉक्टर प्राकृतिक जड़ी बूटियों का इस्तेमाल करते हैं। बता दें कि भारत समेत दुनिया भर में होम्योपैथिक डॉक्टरों की भी मांग बढ़ती जा रही है। वहीं छात्रों में भी होम्योपैथिक डॉक्टर बनने का इंट्रेस्ट बढ़ रहा है। खासतौर पर कोरोना महामारी के दौरान पूरी दुनिया ने डॉक्टरों की सेवाभाव को देखा है। ऐसे में जो छात्र होम्योपैथिक डॉक्टर बनने का सपना देख रहे हैं। यह आर्टिकल उन्हीं के लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको होम्योपैथिक डॉक्टर बनने की सारी पात्रताओं के बारे में जानकारी देने के अलावा यह भी बताने जा रहे हैं कि इस कोर्स को करने के बाद आप इस क्षेत्र में किस तरह अपना करियर बना सकते हैं।

क्वालिफिकेशन

- होम्योपैथी कोर्स में प्रवेश पाने की चाहत रखने वाले छात्रों को साइंस साइड से 12वीं पास होना अनिवार्य है।
- 12वीं कक्षा में छात्रों के कम से कम अंक 50 फीसदी होने चाहिए। वहीं आरक्षित श्रेणियों के कैंडिडेट के 45% अंक होना जरूरी है।
- छात्र की कम से कम उम्र 17 साल होनी चाहिए।
- छात्र का नीट क्वालिफाई होना जरूरी है।

होम्योपैथी पाठ्यक्रमों में एडमिशन के लिए तमाम संस्थान परीक्षाओं का आयोजन करते हैं।

प्रवेश परीक्षाएं

इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी कॉमन एंट्रेंस टेस्ट
केरल इंजीनियरिंग, कृषि और चिकित्सा
भारती विद्यापीठ कॉमन एंट्रेंस टेस्ट
पंजाब यूनिवर्सिटी कॉमन एंट्रेंस टेस्ट
राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा
इंजीनियरिंग, कृषि और मेडिकल कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (तेलंगाना और आंध्र प्रदेश)

नौकरी

होम्योपैथिक कोर्स पूरा होने के बाद छात्र सरकारी या प्राइवेट स्तर पर अपनी नौकरी की शुरुआत कर सकते हैं। इसके अलावा वह अपना क्लीनिक भी खोल सकते हैं। होम्योपैथिक क्षेत्र में आप यह नौकरी भी कर सकते हैं।

शिक्षण कार्य

- फार्मेसिस्ट
- बीमा अधिकारी
- होम्योपैथिक चिकित्सक
- अनुसंधान पेशेवर
- होम्योपैथिक सलाहकार
- विपणन विशेषज्ञ

सैलरी

- जॉब प्रोफाइल- औसत वेतन
- फार्मासिस्ट- 3.5 लाख
- निजी चिकित्सक- 5.5 लाख
- निजी स्वास्थ्य विशेषज्ञ - 6 लाख
- सामान्य चिकित्सक - 6 लाख
- डॉक्टर- 7 लाख

यह कोर्स कर सकते हैं आप

सर्टिफिकेट कोर्स
बता दें कि होम्योपैथिक कोर्स करने के लिए तमाम तरह के सर्टिफिकेट कोर्स करवाए जाते हैं। इस सर्टिफिकेट कोर्सेज की अवधि 3 से 6 महीने की होती है।

डिप्लोमा कोर्स
होम्योपैथी में कई प्रकार के अंडर ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा कोर्स भी कराए जाते हैं। इन कोर्स में आप डिप्लोमा इन इलेक्ट्रो होम्योपैथी मेडिसिन और डिप्लोमा इन होम्योपैथी एंड मेडिसिन आदि कोर्स कर सकते हैं। इन कोर्सेज की अवधि 1-2 वर्ष की होती है।

UG कोर्स
स्नातक स्तर पर होम्योपैथिक कोर्स करने के लिए छात्र क्र्ास्र्‌ और क्र्थ्रस्र्‌ आदि पाठ्यक्रम चुन सकते हैं। इस कोर्स की अवधि 3 से 5 साल की होती है।

PG कोर्स
स्नातकोत्तर स्तर पर छात्र M.D. (होम-फार्मेसी), M.D. (होम-प्रैक्टिस ऑफ मेडिसिन), M.D. (होम्योपैथिक) (मटेरिया मेडिका) आदि कोर्स कर सकते हैं। यह कोर्स 3 साल की अवधि के होते हैं।

BHMS कोर्स सिलेबस
BHMS यानी की बैचलर ऑफ होम्योपैथिक मेडिसिन एंड सर्जरी कोर्स में बायोलॉजी, शरीर विज्ञान और चिकित्सा की तमाम शाखाओम पर बुनियादी और उन्नत ज्ञान और व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करने वाले कई विषय पढ़ाए जाते हैं। वहीं डिग्री प्राप्त करने से पहले छात्र को 1 साल की इंटर्नशिप पूरी करनी होती है।

सिलेबस

- होम्योपैथिक मटेरिया मेडिका और चिकित्सीय
- बायोकैमिस्ट्री सहित फिजियोलॉजी
- पैथोलॉजी और माइक्रोबायोलॉजी
- फोरेंसिक मेडिसिन और विष विज्ञान
- प्रसूति एवं स्त्री रोग
- शरीर रचना
- होम्योपैथिक फार्मेसी
- केस टेकिंग और रिपर्टरी
- सामुदायिक चिकित्सा
- ऑर्गन ऑफ मेडिसिन, प्रिंसिपल्स ऑफ होम्योपैथिक फिलॉसफी एंड साइकोलॉजी
- ऑपरेशन
- चिकित्सा का अभ्यास

बता दें कि भारत में केवल 2 कॉलेज ऐसे हैं, जो एमडी होम्योपैथी सिलेबस प्रदान करते हैं। इस सिलेबस में 7 विशेषज्ञताएं शामिल हैं।

- बच्चों की दवा करने की विद्या
- होम्योपैथिक मटेरिया मेडिका
- प्रदर्शनों की सूची
- होम्योपैथिक दर्शन के साथ ऑर्गन ऑफ मेडिसिन
- होम्योपैथिक फार्मेसी
- मनश्चिकित्सा
- चिकित्सा का अभ्यास

करियर

होम्योपैथी के क्षेत्र में करियर की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। क्योंकि होम्योपैथिक दवाइयों का कोई दुष्प्रभाव नहीं होता है। इसलिए बहुत सारे लोग होम्योपैथिक इलाज में भरोसा जताते हैं। बच्चों से लेकर बड़ों तक पर होम्योपैथिक दवाएं समान रूप से असर करती हैं। होम्योपैथिक दवाइयों का इस्तेमाल कई तरह की बीमारियों में किया जाता है। जिनमें से माइग्रेन, अवसाद, क्रोनिक थकान सिंड्रोम, रूमेटोइड गठिया, एलर्जी, खांसी और सर्दी, चिड़चिड़ा आंत्र सिंड्रोम और प्रीमेंस्ट्रुअल सिंड्रोम आदि का इलाज शामिल है। छात्र इस कोर्स की डिग्री व डिप्लोमा प्राप्त करने के बाद सरकारी व प्राइवेट अस्पतालों में काम कर अपने करियर को शुरू कर सकते हैं। नीचे दिए गए क्षेत्रों की लिस्ट में आप होम्योपैथिक पेशेवर के तौर पर काम कर सकते हैं।

- केंद्रीय, राज्य व स्थानीय सरकारी व प्राइवेट अस्पताल
- नर्सिंग होम, क्लीनिक और स्वास्थ्य विभाग
- दवा निर्माण इकाइयां (सरकारी, निजी, स्वायत्त, सहकारी क्षेत्र)
- औषधि नियंत्रण संगठन (राज्य और केंद्र सरकार)
- होम्योपैथिक दवा कंपनियां
- प्रबंधन और प्रशासन (सरकारी और निजी)
- चिकित्सा पर्यटन
- होम्योपैथिक विशेषता केंद्र
- नैदानिक परीक्षण (फार्मास्यूटिकल्स)
- स्वास्थ्य बीमा क्षेत्र में तृतीय-पक्ष प्रशासक
- राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम)
- राष्ट्रीय आयुष मिशन आदि में आप बतौर होम्योपैथिक पेशेवर के रूप में काम कर सकते हैं।
- वहीं जो छात्र पढ़ाने में इंट्रेस्ट रखते हैं, वह मेडिकल कॉलेजों में प्रोफेसर के रूप में सेवा दे सकते हैं।

इंजीनियरिंग- मेडिकल की पढ़ाई कर रहे हजारों बच्चों की कामयाबी को लेकर नकारात्मक सुर्खियां विद्यार्थियों से लेकर अभिभावकों और शिक्षकों हर किसी को गंभीर चिंतन के लिए विवश कर रही हैं। विद्यार्थी जिस तरह पढ़ाई और परिणाम में बेहतर प्रदर्शन न कर पाने के कारण आत्महत्या कर रहे हैं, वह हर किसी को मर्माहत करने वाला है। इस तरह की घटनाओं के पीछे कई सवाल हैं, जिनका समाधान खोजना बेहद जरूरी लगता है। आखिर क्या कारण है कि इंजीनियर या डॉक्टर बनने की तैयारी में लगे ये विद्यार्थी अचानक आत्मघाती कदम उठा बैठते हैं? क्यों वे असमय ही अपने सुनहरे सपनों का गला घोंट देते हैं?

असफलता के बाद इस तरह बना सकते हैं राहें आसान

ऐसी घटनाओं के पीछे जो सबसे बड़ा कारण नजर आता है, वह है माता-पिता की अपनी संतान से अव्यवहारिक अपेक्षाएं। दरअसल, बच्चे के बड़े होने के साथ-साथ पैरेंट्स के सपने भी पलने और बड़े होने लगते हैं। कई बार माता-पिता के अपने सपने अधूरे होते हैं, जिन्हें वे अपनी संतान के जरिए पूरा करने की कोशिश करते हैं। इसके अलावा, वे अपने मित्रों, रिश्तेदारों, पास-पड़ोस, शहर या गांव के सफल लोगों से भी प्रभावित होकर अपनी संतान को उनके जैसा बनाना चाहते हैं। विद्यार्थियों का इंजीनियरिंग या मेडिकल की पढ़ाई की ओर भागना भी इसी बात का सूचक है। ज्यादातर माता-पिता को यही लगता है कि इंजीनियर या डॉक्टर बनकर ही उनका बच्चा सफल करियर की ओर कदम बढ़ा सकता है। इस सपने को पूरा करने के लिए वे अपने बच्चे की रुचि/ पसंद को अनदेखा कर देते हैं और उस पर दबाव डालते हैं कि वह उनकी पसंद के अनुसार ही करियर की राह पर चले।इससे विद्यार्थियों पर दबाव बढ़ जाता है।

उत्साह में कमी तो नहीं

हो सकता है कि आप इंजीनियरिंग या मेडिकल के लिए बिल्कुल फिट हों और उसमें आपका मन भी लग रहा हो लेकिन अगर ऐसा नहीं है, तो आप अपने भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। अगर आपने अपनी इच्छानुसार भी कोई फील्ड चुन ली है और उसमें एडमिशन ले लिया है मगर आप खुद को अनमना महसूस कर रहे हैं, किसी काम को ठीक से नहीं कर पा रहे हैं या अपने में उत्साह की कमी पा रहे हैं, तो इसका मतलब यह है कि आप जिस राह पर चल रहे हैं, उसमें आपको कोई परेशानी है। ऐसे में आपको बेहिचक अपने माता-पिता से बात कर लेनी चाहिए।

खुली हैं तरक्की की राहें

आज के समय में सिर्फ इंजीनियर या डॉक्टर बनना ही कामयाबी नहीं है। अब दर्जनों ऐसे क्षेत्र सामने आ गए हैं, जिनमें पहचान, पैसा और प्रसिद्धि पाई जा सकती है। यह बात विद्यार्थियों को समझनी भी होगी और अपने अभिभावकों को समझानी भी होगी। विद्यार्थी अगर अपनी पसंद के क्षेत्र में आगे बढ़े, तो ही उसका भविष्य सुखद बन सकता है और इसी में अभिभावकों की खुशी भी छुपी है।

पैरेंट्स को करें राजी

आपमें से बहुत-से विद्यार्थियों ने इस साल 12वीं की परीक्षा दी होगी। अगर आप अपनी पसंद को समझते हैं, तो अपनी पसंद से अपने माता-पिता को अवगत कराएं। उन्हें कनविंस करें। हो सकता है कि पैरेंट्स आपको कम समझदार या परिपक्व समझकर आपकी बातों को तवज्जो न दें, लेकिन अगर आपको अच्छी तरह पता है कि आप किस फील्ड में जोरदार प्रदर्शन कर सकेंगे, तो इस बारे में डांट या नाराजगी की परवाह किए बिना पैरेंट्स के सामने अपनी बात रखने का प्रयास करें। उन्हें यह भरोसा दिलाएं कि अगर वे आपको आपकी रुचि के क्षेत्र में आगे बढ़ने में मदद करते हैं, तो आप उन्हें कतई निराश नहीं करें।

विश्व नंबर 1 के रूप में 100-सप्ताह के क्लब में शामिल हुई स्वीयाटेक

मैड्रिड, एजेंसी। दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी इगा स्वीयाटेक हाल ही में डब्ल्यूटीए रैंकिंग के शीर्ष पर 100 सप्ताह बिताने वाली नौवीं खिलाड़ी बनने की उपलब्धि पर पहुंची हैं। इस उपलब्धि पर विचार करते हुए,स्वीयाटेक ने आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा कि इस मील के पत्थर को समझना कठिन है क्योंकि यह बहुत तेजी से हुआ है।

डब्ल्यूटीए रैंकिंग के शिखर पर 100 सप्ताह बिताने वाले नौ खिलाड़ियों के चुनिंदा समूह में स्वीयाटेक 22 साल 326 दिन की उम्र में यह उपलब्धि हासिल करने वाली मार्टिना हिंगिस, मोनिका सेलेस, स्टेफनी ग्राफ और क्रिस एवर्ट के बाद पांचवीं सबसे कम उम्र की खिलाड़ी हैं। स्वीयाटेक ने 100 क्लब में शामिल होने के बारे में कहा, ईमानदारी से कहूं तो मेरे लिए इसे समझ पाना कठिन है क्योंकि यह बहुत तेजी से हुआ। मैंने कभी उस पद पर रहने की उम्मीद नहीं की थी।

स्वीयाटेक ने मंगलवार को मैड्रिड ओपन प्री-टूर्नामेंट प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, वास्तव में, खेल में इतने लंबे समय तक शीर्ष पर रहना कुछ ऐसी बात है जो मुझे वास्तव में गौरवान्वित करती है। मुझे लगता है कि हमने कभी-कभी कुछ कठिन निर्णय लिए हैं। मेरे पास अच्छे लोग हैं जो मेरा मार्गदर्शन कर रहे हैं और मेरी मदद कर रहे हैं, इसलिए निश्चित रूप से मैं यहां नहीं होती अगर मैं इसे स्वयं करती और मैं वास्तव में आभारी हूं कि सब कुछ ऐसा हुआ। चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन ने पहली बार अप्रैल 2022 में शीर्ष स्थान हासिल किया था जब एश्ले बार्टी ने टेनिस से संन्यास ले लिया था और तब से शिखर पर बनी हुई है, पिछले सीज़न में आठ सप्ताह की अवधि को छोड़कर जब आर्यना सबालेंका ने उनकी जगह ली थी।

उसने आगे कहा, जैसा कि आप जानते हैं, विशेष रूप से पिछले साल, नंबर 1 पर वापस आना एक बड़ी बात थी और यह अप्रत्याशित तरीके से हुआ, इसलिए मुझे खुद पर गर्व है कि मैं इसके साथ आने वाले सभी दबावों का सामना कर सकी। लेकिन कुल मिलाकर यह एक तरह का मज़ा है। डब्ल्यूटीए आंकड़ों के अनुसार, स्वीयाटेक पहली बार विश्व नंबर 1 पर पहुंचने के 749 दिन बाद मील के पत्थर तक पहुंच जाएंगी- ग्राफ, एवर्ट और सेलेस के बाद 100 सप्ताह तक पहुंचने वाली चौथी सबसे तेज खिलाड़ी।

स्पेन की राजधानी में पहुंचकर, स्वीयाटेक विश्व नंबर 1 के रूप में अपना 100वां सप्ताह मना रही है। पिछले साल मैड्रिड में उपविजेता रहने के बाद, वह चीन की वांग ज़ियू के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेंगी।

संक्षिप्त समाचार

टी20 वर्ल्ड कप से पहले युगांडा के मुख्य कोच बने अभय शर्मा

कंपाला, एजेंसी। युगांडा क्रिकेट एसोसिएशन (यूसीए) ने तीन साल के अनुबंध पर भारत के पूर्व प्रथम श्रेणी क्रिकेटर अभय शर्मा को अपनी सीनियर पुरुष राष्ट्रीय टीम का नया मुख्य कोच नियुक्त करने की घोषणा की है। अभय शर्मा के पास खिलाड़ी और कोच दोनों के रूप में सफलता का एक मजबूत ट्रैक रिकॉर्ड है। भारतीय महिला क्रिकेट टीम के साथ अपने कार्यकाल के अलावा, उन्होंने पहले भारत ए और भारत अंडर-19 के लिए फील्डिंग कोच के रूप में कार्य किया। उनकी सबसे हालिया कोचिंग भूमिका दिल्ली रणजी टीम के साथ थी।

अपनी नियुक्ति पर 54 वर्षीय अभय शर्मा ने कहा, प्रतिभाशाली क्रिकेटरों के समूह के साथ काम करने के इस अवसर के लिए मैं यूसीए का बहुत आभारी हूं। युगांडा में केवल कुछ दिनों के लिए रहने के बाद, यह पहले से ही मेरे दूसरे घर जैसा लगता है।

लीजेंड क्रिकेट ट्रॉफी में टीम के मालिक पर लगा मैच फिक्सिंग का आरोप

कोलंबो, एजेंसी । श्रीलंका के अटॉर्नी जनरल ने अदालत को सूचित किया है कि लीजेंड्स क्रिकेट ट्रॉफी में खेलने वाली सात टीमों में से एक कैंडी सैंप आर्मी के मालिक योनी पटेल पर मैच फिक्सिंग का आरोप लगाया गया है। अटॉर्नी जनरल का प्रतिनिधित्व करने वाले सरकारी वकील ने सोमवार को कोलंबो मजिस्ट्रेट को सूचित किया कि योनी पटेल पर कोलंबो हाई कोर्ट में अपराध का आरोप लगाया गया है।

उन पर श्रीलंका में सेंट्रल हिल्स के पल्लेकेले में बड़ी संख्या में सेवानिवृत्त अंतर्राष्ट्रीय सितारों की भागीदारी के साथ खेली गई लीजेंड्स क्रिकेट ट्रॉफी के दौरान एक क्रिकेटर पर फिक्सिंग में शामिल होने के लिए दबाव डालने का आरोप लगाया गया है। जांच श्रीलंका के सेवानिवृत्त राष्ट्रीय क्रिकेटर उपुल थरंगा की शिकायत पर शुरू की गई, जो खुद पटेल के स्वामित्व वाली टीम के खिलाड़ी हैं।

लॉरियस अवॉर्ड

जोकोविच रिकॉर्ड पांचवीं बार श्रेष्ठ खिलाड़ी बने

मैड्रिड, एजेंसी। महिला स्पेनिश फुटबाल टीम को वर्ष की श्रेष्ठ टीम का खिताब मिला, जबकि बोनमाती को वर्ष की श्रेष्ठ महिला खिलाड़ी चुना गया। यह वही स्पेनिश महिला फुटबाल टीम है, जो फीफा विश्वकप के पुरस्कार समारोह के दौरान विवादों में आई थी। सर्बिया के टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच वर्ष के श्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए हैं। उन्होंने पांचवीं बार प्रतिष्ठित लॉरियस अवॉर्ड पर कब्जा जमाया है। उन्होंने स्विटजरलैंड के टेनिस स्टार रोजर फेडरर की बराबरी कर ली है। फेडरर को भी पांच बार वर्ष का श्रेष्ठ खिलाड़ी चुना जा चुका है। जोकोविच जरूर श्रेष्ठ खिलाड़ी बने, लेकिन आकर्षण का केंद्र पहली बार विश्व चैंपियन बनने वाली स्पेन की महिला फुटबाल टीम और उसकी स्टार फुटबालर एइटाने बोनमाती रहीं। महिला स्पेनिश फुटबाल टीम को वर्ष की श्रेष्ठ टीम का खिताब मिला, जबकि बोनमाती को वर्ष की श्रेष्ठ महिला खिलाड़ी चुना गया। यह वही स्पेनिश महिला फुटबाल टीम है, जो फीफा विश्वकप के पुरस्कार समारोह के दौरान विवादों में आई थी। समारोह के दौरान स्पेनिश फुटबाल के तत्कालीन अध्यक्ष रुबियालेस ने स्पेन फुटबाल टीम की सदस्य जेनी हरमोसो के चुंबन ले लिया था।

नडाल को भी पुरस्कार, फाउंडेशन ने भारत में की मदद

अमेरिकी जिम्नास्ट सिमोना बाइल्स को श्रेष्ठ वापसी के लिए वर्ष का खिलाड़ी चुना गया। रियल मैड्रिड के इंग्लिश फुटबालर जूड बेलिंघम को वर्ष का ब्रेकथ्रू अवॉर्ड मिला और राफेल नडाल के फाउंडेशन को खेलों में अच्छाई के लिए पुरस्कार मिला। नडाल के फाउंडेशन ने स्पेन और भारत में एक हजार कमजोर बच्चों की मदद की है।

2012 में पहली बार विजेता बने थे जोकोविच

जोकोविच ने 24 ग्रैंड स्लैम जीतने का रिकॉर्ड बनाया है। उन्होंने बीते वर्ष ऑस्ट्रेलियन ओपन, फ्रेंच ओपन और अमेरिकी ओपन के खिताब जीते, जबकि विंबलडन के फाइनल में उन्हें कार्लोस अल्कारेज के हाथों कड़े संघर्ष में हार मिली थी। जोकोविच ने इससे पहले 2012, 2015, 2016 और 2019 में यह खिताब जीता था। जोकोविच ने अवॉर्ड लेने के बाद कहा कि उन्हें याद आ रहा है कि 2012 में 24 साल की उम्र में उन्होंने पहली बार यह खिताब जीता था।

शिवम ने तोड़ डाला धोनी का रिकॉर्ड

सीएसके के लिए तूफान की गति से बनाए 1000 रन

चैन्नई, एजेंसी। चेन्नई सुपर किंग्स यानी सीएसके के बल्लेबाजी ऑलराउंडर शिवम दुबे ने मंगलवार को इंडियन प्रीमियर लीग यानी आईपीएल में फ्रेंचाइजी के साथ अपने 1000 रन पूरे कर लिए हैं। पांच बार की चैंपियन टीम चेन्नई सुपर किंग्स के साथ उनका सफर अच्छा रहा है। वे इस फ्रेंचाइजी के साथ एक बेहतर क्रिकेटर बन गए हैं। शिवम दुबे ने चेपॉक स्टेडियम में लखनऊ सुपर जाएंट्स यानी एलएसजी के खिलाफ अपनी ताबड़तोड़ 66 रनों की पारी के दौरान यह उपलब्धि दर्ज की। उन्होंने धोनी का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया है। शिवम दुबे इस समय आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए अपनी दावेदारी मजबूती के साथ पेश कर रहे हैं।

शिवम दुबे ने लखनऊ सुपर जाएंट्स के खिलाफ 27 गेंदों में 66 रनों की तूफानी पारी खेली। इस पारी में उनके बल्ले से सिर्फ तीन चौके निकले, लेकिन उन्होंने सात छक्के लगाए। 244.44 के स्ट्राइक रेट से उन्होंने बल्लेबाजी की, लेकिन टीम को हार का सामना करना पड़ा। शिवम दुबे अब उन चुनिंदा खिलाड़ियों में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने सीएसके के लिए 1000 या इससे ज्यादा रन बनाए हैं। 35 मैचों की 33 पारियों में उन्होंने इस उपलब्धि को अपने नाम किया है। वे 2022 में हुए मेगा ऑक्शन के दौरान टीम से जुड़े थे। इसके बाद से 37.70 के औसत और 161.08 के स्ट्राइक रेट से 1018 रन बना चुके हैं।

वे इससे पहले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और राजस्थान रॉयल्स के लिए भी खेल चुके हैं, लेकिन वहां उनका रिकॉर्ड अच्छा नहीं था। आरसीबी के लिए वे 15 मैचों में 169 रन और आरआर के लिए 9 मैचों में 230 रन बनाने में सफल हुए थे। इस फ्रेंचाइजी के लिए सिर्फ 14 ही खिलाड़ी अभी तक 1000 या इससे ज्यादा रन बनाने में सफल हुए हैं, लेकिन उन सभी में शिवम दुबे का स्ट्राइक रेट सभी से ज्यादा है। यहां तक कि किसी ने 140 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से 1000 रन नहीं बनाए हैं। धोनी का स्ट्राइक रेट 138.98 का है, जबकि सुरेश रैना ने 138.91 के स्ट्राइक रेट से 1000 रन पूरे किए थे।

आईपीएल:2024

बोतल फेंककर... एमएस धोनी ने कैमरामैन को सरेआम धमकाया

चेन्नई, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में फैंस का शोर उस वक्त बढ़ जाता है, जब कोई बाउंड्री लगती है या फिर विकेट गिरता है। इन दो मौकों के अलावा अगर वह अपने पसंदीदा क्रिकेटर को देख लेते हैं तो बेकाबू हो जाते हैं। ये सारे काम कैमरामैन करने में माहिर होते हैं। कुछ ऐसा ही देखने को मिला चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में।

एक ओर जहां शिवम दुबे और रुतुराज गायकवाड़ लखनऊ सुपर जायंट्स के गेंदबाजों की मैदान पर क्लास लग रहे तो दूसरी ओर कैमरामैन ने धोनी को फोकस किया। इसके बाद जो कुछ हुआ वह कुछ ज्यादा ही फनी है। खैर, आईपीएल 2024 में सीएसके के मैचों के दौरान ड्यूटी पर तैनात कैमरामैन इस बात से अच्छी तरह वाकिफ हैं कि दर्शकों को धोनी को देखना कितना पसंद है। इसलिए वे अक्सर मैच के दौरान ड्रेसिंग रूम में पूर्व कप्तान की एक झलक दिखा देते हैं। ऐसा करते ही हर बार दर्शक पागल हो जाते हैं। हालांकि, सोमवार को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स के

खिलाफ मैच में सीएसके के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ और शिवम दुबे के बीच अभूतपूर्व साझेदारी के दौरान जब कैमरामैन ने धोनी पर जूम किया तो वह नाराज हो गए।

धोनी ने इसके बाद हाथ में लिए बोतल से धमकाते हुए फेंकने का इशरा किया। हालांकि, वह कुछ एक्शन कर पाते इससे पहले ही कैमरामैन ने फोकस हटा लिया। बता दें कि लंबे समय बाद होम ग्राउंड पर धोनी बैटिंग करते दिखे थे। उन्होंने एक गेंद का सामन किया, जबकि उस पर चौका जड़ा। दूसरी ओर, गायकवाड़ आईपीएल इतिहास में शतक बनाने वाले पहले सीएसके कप्तान बन गए।

स्टोइनिस ने रचा इतिहास

धोनी की टीम के खिलाफ बनाया ये कीर्तिमान, 13 साल पुराना रिकॉर्ड चकनाचूर

चैन्नई, एजेंसी। लखनऊ सुपर जायंट्स के ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर मार्कस स्टोइनिस के बल्ले ने अकेले दम ऐसा तूफान खड़ा किया कि चेन्नई सुपरकिंग्स के अनुभवी गेंदबाजी आक्रमण की धज्जियां उड़ गईं। स्टोइनिस ने सिर्फ 63 बॉल में 124 रनों की धुआंधार अविजित पारी के दम पर लखनऊ को चेन्नई के होम ग्राउंड पर उसके खिलाफ छह विकेट से जोरदार जीत दिला दी। इसके पहले लखनऊ ने अपने होम ग्राउंड पर सीएसके को शिकस्त दी थी।

चेन्नई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान रुतुराज गायकवाड़ की नॉट आउट सेंचुरी (60 बॉल में 108 रन, 12 फोर, 3 सिक्स) और ऑलराउंडर शिवम दुबे के चिर-परिचित अंदाज में पावर पैक्ड पचासे (27 बॉल में 66 रन, 3 फोर, 7 सिक्स) की बदौलत 20 ओवर में चार विकेट के नुकसान पर 210 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया था।

जवाब में लखनऊ के लिए पिछले मैच में शानदार बल्लेबाजी करने वाली क्विंटन डि कॉक

(0) और कप्तान केएल राहुल (16) की ओपनिंग जोड़ी बेहद सस्ते में निबट गई तो टीम की हार नजर आ रही थी। लखनऊ ने महज 33 रन पर दो विकेट और 88 रन पर तीन विकेट गंवा दिए थे। लेकिन, यहां से स्टोइनिस ने ऐसा पराक्रम दिखाया कि पारी में तीन गेंदें शेष रहते ही लक्ष्य के पार पहुंचा दिया। मेहमान टीम ने चार विकेट पर 213 रन बनाकर चेन्नई के चेहरे पर मायूसी ला दी।

स्टॉइनिस का तूफान और बड़ा रिकॉर्ड चकनाचूर, धोनी बने दर्शक

इस तरह वह लक्ष्य का पीछा करने के दौरान सबसे बड़ी पारी खेलने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। जब वह मैदान पर चौके और छक्के उड़ा रहे थे तो रणनीति के सबसे बड़े सूरमा एमएस धोनी विकेट के पीछे खड़े सिर्फ दर्शक बने रहे। रिजल्ट हर किसी के सामने है। उन्होंने पॉल वल्थाटी का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 2011 में मोहाली में पंजाब किंग्स के लिए खेलते हुए चेन्नई सुपर किंग्स के ही खिलाफ नाबाद 120 रन ठोकते हुए हर किसी को हैरान कर दिया था।

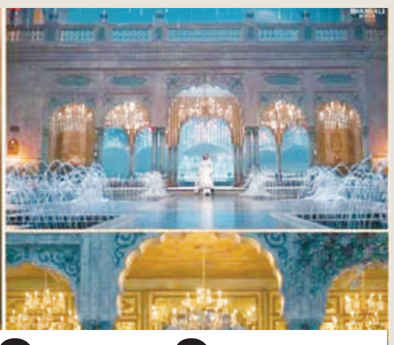

भंसाली ने हीरामंडी पर पानी की तरह बहाया पैसा

संजय लीला भंसाली इन दिनों अपने ड्रीम प्रोजेक्ट हीरामंडी को लेकर खबरों में बने हुए हैं। 1940 के दशक की कोठा प्रथा को दिखाती ये सीरीज अगले हफ्ते प्रीमियर होने वाली है। सीरीज में अब तक की सबसे शानदार कास्ट के साथ सबसे बड़ा सेट दिखाया गया है। ये सेट जिसे बनाने में 700 कारीगरों की मेहनत और कई महीने लगे। अब इस आलीशान सेट को स्क्रीन पर देखा जा सकेगा। संजय लीला भंसाली जितनी मेहनत अपनी स्क्रिप्ट पर करते हैं उससे कई ज्यादा वक़्त वो सेट के डिज़ाइन, एक्टर्स के लुक और उनके पहनावे को तैयार करवाने लगाते हैं। उनका विजन सिर्फ स्क्रिप्ट को एक्टिंग के जरिये ऑडियंस तक पेश करना नहीं होता। बल्कि वो पूरा सीन वैसे ही क्रिएट करने की कोशिश करते हैं जैसा उस वक़्त रहा होगा। उनकी पिछली फिल्मों जैसे देवदास, बाजीराव मस्तानी, राम लीला, गंगूबाई काठियावाड़ी और पद्मावत में ग्रैंड सेट देखने को मिले हैं। लेकिन हीरामंडी के लिए डायरेक्टर ने अपना ही रिकॉर्ड तोड़ दिया है। हीरामंडी के लिए डायरेक्टर ने एक ऐसा सेट बनाया था जो भुलाया नहीं जा सकता है।

हाल में दिए एक इंटरव्यू में संजय लीला भंसाली ने हीरामंडी के ग्रैंड सेट के बारे में बात की। डायरेक्टर ने कहा 'मैं हमेशा अपने काम में खो जाना चाहता था। यह अब तक का मेरा सबसे बड़ा सेट है। ऐसा लगता है कि मैं जो सोच सकता था, उससे कहीं आगे निकल गया हूं। मैं फ़िल्में बनाते हुए और ज़्यादा एंजॉय कर रहा हूं और समझ रहा हूं। मुझे बड़े सेट बनाना पसंद है, लेकिन मैं सब कुछ कंट्रोल नहीं करना चाहता। मैंने बड़ा सेट तैयार कर दिया है, लेकिन ऑडियंस वही देखेगी जो वो चाहती है। कभी-कभी लोग कहते हैं कि देखने के लिए बहुत कुछ है, और वे सीन के जरूरी हिस्सों को मिस कर देते हैं।' ऐसे में अब संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज हीरामंडी- द डायमंड बाज़ार का इंतजार बढ़ गया है।

कृष्णा अभिषेक की बीवी कश्मीरा ने गोविंदा को कहा अपना ससुर!

गोविंदा की भांजी और कॉमेडिन-एक्टर कृष्णा अभिषेक की बहन आरती सिंह जल्द ही सात फेरे लेने वाली हैं। इस शादी में सबसे ज्यादा चर्चा इस बात की हो रही है कि क्या गोविंदा इस फंक्शन में शामिल होंगे! इस बीच कश्मीरा शाह ने गोविंदा को अपना ससुर बताया है।

टीवी एक्ट्रेस और बिग बॉस 13 की कंटेस्टेंट आरती सिंह अपनी जिंदगी का नया चैप्टर शुरू करने जा रही हैं। उनकी शादी होने वाली है। हल्दी सेरेमनी हो चुकी है और 25 अप्रैल को नवी मुंबई बेस्ड बिजनेसमैन दीपक चौहान संग सात फेरे लेंगी। आरती और दीपक की शादी बहुत ठाठ-बाट से नहीं हो रही है। उन्होंने स्पेशल दिन के लिए एक खास जगह को चुना है। दोनों इस्कॉन मंदिर में सात फेरे लेंगे।

इस दौरान आरती के करीबी, उनका भाई कृष्णा अभिषेक, उनकी वाइफ कश्मीरा शाह और मामा गोविंदा भी शामिल होंगे।

कश्मीर ने हाल ही में दिए इंटरव्यू में कहा कि वो आरती की शादी में गोविंदा के आने की उम्मीद है और वो अपने ससुर से मिलने के लिए एक्साइटेड हैं। कृष्णा अभिषेक के बीच जुबानी जंग हुई थी।

नोरा का पैपराजी पर फूटा गुस्सा

बॉलीवुड अभिनेत्रियों के शरीर पर बेवजह फोकस करने को लेकर नोरा फतेही ने पैपराजी की जमकर निंदा की है। पिछले कुछ दिनों में कई अभिनेत्रियों ने पैपराजी की इस हरकत को लेकर नाराजगी जताई है। इन दिनों बॉलीवुड सितारों की हर गतिविधि को पैपराजी कवर करते हैं। उनकी तस्वीरें और वीडियो निकालते हैं। पैपराजी के साथ सितारों की बातचीत भी सोशल मीडिया पर खूब वायरल होती है। कभी-कभी पैपराजी उनकी कुछ प्राइवेट तस्वीरों और वीडियोज को भी सोशल मीडिया पर साझा कर देते हैं। हाल ही में, कई अभिनेत्रियों ने पैपराजी के उनके शरीर के कई अंगों पर कैमरा फोकस करने को लेकर निंदा की है।

दैनिक सद्भावना पाती
इंदौर, गुरुवार 25 अप्रैल, 2024

संक्षिप्त समाचार

फर्जी आनलाइन पाठ्यक्रमों से लोग रहें सचेत, यूजीसी ने आम लोगों को लिए जारी की चेतावनी

नईदिल्ली, एजेंसी। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने मान्यता प्राप्त डिग्री नामों के समान संक्षिप्त अवधि वाले वाले फर्जी आनलाइन पाठ्यक्रमों विशेष रूप से 10-डेज एमबीए पाठ्यक्रम का उल्लेख करते हुए आम लोगों को चेतावनी जारी की है। यूजीसी के सचिव मनीष जोशी ने कहा कि कुछ व्यक्ति या संगठन उच्च शिक्षा प्रणाली के मान्यता प्राप्त डिग्री कार्यक्रमों के समान संक्षिप्त रूपों के साथ आनलाइन पाठ्यक्रम कराने का दावा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसी डिग्री का नामकरण, उसके संक्षिप्त रूप, अवधि और प्रवेश योग्यता सहित यूजीसी द्वारा केंद्र सरकार की पूर्व मंजूरी के साथ आधिकारिक राजपत्र में अधिसूचना के प्रकाशन के माध्यम से ही जारी की जाती है। यूजीसी सचिव ने स्पष्ट किया कि केवल केंद्रीय अधिनियम, प्रांतीय अधिनियम या राज्य अधिनियम द्वारा या उसके तहत स्थापित या निगमित विश्वविद्यालय अथवा संसद के अधिनियम द्वारा विशेष रूप से सशक्त विश्वविद्यालय अथवा संस्थान के रूप में समझा जाने वाला संस्थान ही डिग्री प्रदान करने का अधिकार रखता है। उन्होंने यह भी कहा कि उच्च शिक्षा संस्थानों को यूजीसी नियमों के अनुसार किसी भी आनलाइन डिग्री कार्यक्रम कराने के लिए यूजीसी से अनुमोदन लेना होता है।

यमुना किनारे से मलबा हटाएं...डीडीए ने कई एजेंसियों को जारी किया नोटिस

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने कई एजेंसियों को नोटिस जारी किया है। ये नोटिस दिल्ली हाईकोर्ट के आठ अप्रैल के निर्देशों का पालन करते हुए जारी किए गए हैं। नोटिस जारी करते हुए डीडीए ने कहा है कि 30 जून तक यमुना नदी के बाढ़ क्षेत्रों पर ब्रिज, रेलवे लाइनों और रीजनल रेलवे नेटवर्क के निर्माण के दौरान जमा हुए कंस्ट्रक्शन वेस्ट और मलबे को हटाने का काम सुनिश्चित करें। डीडीए ने मंगलवार के एक बयान में कहा, 'हमने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, लोक निर्माण विभाग, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी), दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) और दिल्ली जल बोर्ड को नोटिस जारी किया है। उनसे कोर्ट के आदेश का अनुपालन सुनिश्चित करने को कहा गया है। किसी भी चूक के मामले में, डीडीए डिफॉल्टर्स पर उचित कॉस्ट (जुर्माना) लगाकर ऐसे कंस्ट्रक्शन वेस्ट और मलबे की सफाई का काम खुद करेगा।' डीएमआरसी के कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस के मुख्य कार्यकारी निदेशक अनुज दयाल ने कहा कि यमुना ब्रिज साइट पर डीएमआरसी के काम की वजह से बिल्कुल भी सीएंडडी कचरा जमा नहीं हुआ है। उन्होंने कहा, 'हालांकि, साइट पर कुछ निर्माण से जुड़ी सामग्रियां हैं, जिन्हें चरणबद्ध तरीके से 15 जून तक हटा दिया जाएगा। हमने सिंचाई विभाग को जवाब भेज दिया है और डीडीए को भी इसके बारे में सूचित किया जाएगा।' वहीं एनसीआरटीसी के एक अधिकारी ने कहा कि यमुना खादर में आरआरटीएस का ज्यादातर काम पहले ही पूरा हो चुका है और रिस्टोरेशन का काम फिलहाल चल रहा है। डीडीए अपने अधिकार क्षेत्र के तहत एरिया के निरंतर रखरखाव के लिए बाढ़ क्षेत्र के प्रत्येक खंड के लिए नोडल अधिकारियों को भी नामित कर रहा है। अथॉरिटी ने कहा, 'वे नियमित आधार पर क्षेत्र को अतिक्रमण और सी एंड डी कचरे से मुक्त रखने के भी जिम्मेदार होंगे।

एक प्रोफेशनल और नियमित कर्मचारी में फर्क; मैटरनिटी बेनिफिट एक्ट को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट का महत्वपूर्ण फैसला

नईदिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली उच्च न्यायालय ने मंगलवार को एक महत्वपूर्ण फैसला देते हुए कहा कि अगर किसी महिला वकील की नियुक्ति नियमित कर्मचारी की जगह एक पेशेवर के रूप में की गई है, तो ऐसे में वह मातृत्व लाभ अधिनियम 1961 के तहत मिलने वाले मैटरनिटी के लाभ पाने की हकदार नहीं होगी। कोर्ट ने यह फैसला दिल्ली राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण के साथ एक प्रोफेशनल के रूप में जुड़ी वकील के केस की सुनवाई करते हुए दिया।

न्यायमूर्ति वी कामेश्वर राव और न्यायमूर्ति सौरभ बनर्जी की खंडपीठ ने हाईकोर्ट की एकल-न्यायाधीश पीठ के जुलाई 2023 के उस आदेश को भी रद्द कर दिया, जिसमें कोर्ट ने डीएसएलएसए को गर्भवती महिला वकील को मातृत्व लाभ अधिनियम के अनुसार मिलने वाले सभी मेडिकल, आर्थिक और अन्य लाभ जारी करने का निर्देश दिया था। यह महिला एक पैनल वकील के रूप में दिल्ली राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण के साथ जुड़ी हुई थी और उसे एक प्रोफेशनल वकील के रूप में किशोर न्याय बोर्ड-1 में कानूनी सेवा अधिवक्ता के रूप में नियुक्त किया गया था। महिला ने नियमित महिला कर्मचारियों की तरह अपने लिए भी मातृत्व लाभ की मांग की थी।

एकल न्यायाधीश के आदेश को रद्द करते हुए, पीठ ने कहा कि पैनल वकील के रूप में महिला की नियुक्ति को 1961 के अधिनियम के तहत लाभ का दावा करने के लिए मजदूरी के लिए रोजगार की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता है। अदालत ने कहा कि किशोर न्याय बोर्डों के समक्ष कानूनी सेवाएं प्रदान करने के लिए योग्य उम्मीदवारों को तीन साल की अवधि के लिए लीगल सर्विसेस एडवोकेट्स के रूप में डीएसएलएसए के साथ नियुक्त या सूचीबद्ध किया जाता है। कोर्ट ने कहा कि प्रतिवादी की नियुक्ति किसी भी अन्य एलएसए की तरह निश्चित शर्तों के साथ नियमित नहीं है। इसी वजह से किसी भी नियमित कर्मचारी को मिलने वाली छुट्टियां एलएसए को नहीं दी जाती हैं। एलएसए की भागीदारी एक पेशेवर के रूप में दैनिक आधार पर की गई है। इसके अलावा, पीठ ने यह भी कहा कि डीएसएलएसए के नोटिस में लिखे निर्धारित नियमों और शर्तों को एक बार स्वेच्छा से स्वीकार करने के बाद महिला उनके नियमों को मानने के लिए बाध्य है। फैसला देते हुए पीठ ने यह भी कहा कि मातृत्व लाभ अधिनियम के तहत रोजगार और मजदूरी शब्दों की जो व्याख्या एकल न्यायाधीश द्वारा दी गई है, अगर हम उसे रहने भी दें तो इसका मतलब यह होगा कि वकील जैसे पेशेवरों को रखने वाली संस्था, उसके यहां पेशेवर रूप से जुड़े कार्यरत प्रत्येक व्यक्ति को मातृत्व लाभ देने के लिए बाध्य होगी। इस तरह की व्याख्या कानूनी रूप से पूरी तरह से गलत है और इसके गंभीर परिणाम होंगे।

गाजियाबाद सीट पर स्टार उम्मीदवार भी नहीं बचा पाते जमानत, राज बब्बर को मिली थी हार; 2 बार सिंह जीते

नईदिल्ली, एजेंसी।
गाजियाबाद लोकसभा सीट से चुनाव के मैदान में उतरे स्टार प्रत्याशियों के सामने अपनी जमानत राशि बचाना भी चुनौती रही है। वर्ष 2014 में हुए चुनाव में विजेता वीके सिंह को छोड़कर अन्य प्रत्याशियों की जमानत जब्त हो गई थी। इनमें राज बब्बर, शाजिया इल्मी समेत अन्य धुरंधर भी शामिल रहे थे। राज बब्बर के नाम इसी सीट से सबसे बड़ी हार का रिकॉर्ड दर्ज है। वर्ष 1976 में मेरठ से गाजियाबाद शहर अलग हुआ था। 2008 में यह सीट अस्तित्व में आई। तब से इस सीट पर तीन लोकसभा चुनाव हो चुके हैं। इन तीनों चुनावों में कुल 44 प्रत्याशी मैदान में उतरे थे। इनमें 38 जमानत तक नहीं बचा सके।

वर्ष 2009 में पहली बार गाजियाबाद लोकसभा सीट पर 16 प्रत्याशी उतरे, जिसमें से 13 की जमानत जब्त हो गई। भाजपा प्रत्याशी राजनाथ सिंह को 43.34 फीसदी वोट मिले। दूसरे नंबर पर कांग्रेस के सुरेंद्र प्रकाश गोयल को 32.41 और तीसरे पर बसपा से अमर पाल शर्मा 21.73 फीसदी वोट के साथ रहे। वर्ष 2014 के चुनाव में भाजपा के वीके सिंह के अलावा 15 प्रत्याशियों की जमानत जब्त हो गई। इनमें कांग्रेस के राज बब्बर, आप की शाजिया इल्मी मलिक, बसपा के मुकुल उपाध्याय शामिल थे। साल 2019 के चुनाव में कुल 12 प्रत्याशी मैदान में थे। इसमें भाजपा के वीके सिंह और सपा के सुरेश बंसल को छोड़ अन्य सभी उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई।

चुनाव की किसी भी सीट पर कुल वोटों का छठवां हिस्सा मिलने पर उम्मीदवार की जमानत राशि वापस की जाती है। जबकि प्रत्याशी को जमानत राशि के नाम पर 25 हजार रुपये देने पड़ते हैं। बता दें कि 1951 में जमानत राशि 200 रुपये थी।

यमुना सिटी का नक्शा होगा ऑनलाइन, एक क्लिक पर मिलेगी लोकेशन

नईदिल्ली, एजेंसी। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) की शहर का नक्शा ऑनलाइन करने की तैयारी है। चुनाव के बाद कोई भी व्यक्ति गूगल अर्थ ऐप और प्राधिकरण की वेबसाइट पर यमुना सिटी के विकास को ऑनलाइन देख सकेगा। इसके बाद लोगों को किसी भी विकास परियोजना के अपडेट या फिर प्लॉट की सटीक लोकेशन का पता लगाने के लिए वहां जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इंटरनेट के जरिए गूगल अर्थ पर सटीक जानकारी मिलेगी। यमुना सिटी में कई बड़ी विकास परियोजनाएं सरपट दौड़ रही हैं। जेवर एयरपोर्ट से सितंबर के अंतिम सप्ताह से उड़ान प्रस्तावित है। वहीं, फिल्म सिटी का चुनाव के बाद शिलान्यास हो सकता है। फिल्म सिटी बनाने वाली कंपनी को इसका आवंटन पत्र सौंपा जा सका है। इसके अलावा कई औद्योगिक सेक्टर विकसित किए जा रहे हैं। हर किसी की नजर इस समय यमुना सिटी के विकास कार्यों पर टिकी है। प्राधिकरण के स्तर से भी सेक्टरों को बसाने की कवायद तेज कर दी गई है। सभी मूलभूत सुविधाओं को पहले ही विकसित किया जा रहा है।

इस महीने रेल यात्रियों ने तोड़ा रिकॉर्ड

नईदिल्ली, एजेंसी। यदि किसी आम भारतीय से पूछा जाए कि वे यात्रा के लिए किस तरह की सेवा पर सबसे ज्यादा भरोसा करते हैं, तो उनका जवाब एक ही होगा- भारतीय रेल। जब लोगों के जेहन में यात्रा के लिए पहली पसंद चुनने का सवाल आए तो वे सिर्फ भारतीय रेल सेवा पर ही भरोसा करते हैं। लाखों की संख्या में लोग रोज ट्रेनों में यात्रा करते हैं। मगर इस महीने लोगों ने रेल से यात्रा करने का रिकॉर्ड ही बना दिया। अप्रैल महीने की 21 तारीख तक रेलवे ने 41 करोड़ से ज्यादा लोगों को अपनी सेवा दी है। लोगों की भारी भीड़ के मद्देनजर रेलवे ने कई स्पेशल ट्रेनों का भी इंतजाम किया है। मगर ट्रेनों में लोगों की इतनी भीड़ रहती है जिसे मैनेज करना रेलवे के लिए मुश्किल भरा हो रहा है। यात्री सेवाओं पर दबाव को रेखांकित करते हुए कहा है कि 21 अप्रैल तक 41 करोड़ से अधिक लोगों ने ट्रेन से यात्रा की। 20 और 21 अप्रैल को 3.38 करोड़ यात्रियों ने विभिन्न गंतव्यों के लिए ट्रेन यात्रा की। इससे पिछले सप्ताह में कुल 13.69 करोड़ यात्रियों ने रेल से सफर किया।

मरीजों की बढ़ेगी परेशानी, कैंसर अस्पताल ने लिस्ट से हटाईं कई जरूरी दवाएं

नईदिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली राज्य कैंसर संस्थान ने मरीजों के लिए निर्धारित की गई आवश्यक दवाओं की सूची में से 166 कम कर दी हैं। अस्पताल ने बदलाव का कारण सूची में कई दवाओं का अलग-अलग नाम से शामिल होना बताया है। सूची में पहले 450 दवाएं शामिल थीं। अब यह संख्या 284 रह गई है।

कैंसर अस्पताल में कई जरूरी दवाएं उपलब्ध नहीं हैं। इसको लेकर मरीजों ने अस्पताल के निदेशक को पत्र लिखकर शिकायत की। उन्होंने लिखा कि इलाज में इस्तेमाल होने वाली आधुनिक दवाएं उन्हें बाहर से लानी पड़ती हैं। पहले निमोटूजुमोब इंजेक्शन मौजूद था, लेकिन अब यह अस्पताल में उपलब्ध नहीं हैं। इससे पहले हिन्दुस्तान ने भी अपनी पड़ताल में लिखा था कि अस्पताल में लगभग 45 फीसदी बेहद जरूरी दवाओं की कमी है। इससे मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ा रहा है। मेमोग्राफ मशीन बंद होने से स्तन कैंसर की जांच नहीं हो रही

अस्पताल में मेमोग्राफ मशीन बंद है। इसकी मदद से महिलाओं के स्तन कैंसर की जांच की जाती है। रामवीर ने बताया कि उनकी पत्नी को बाहर जाकर जांच करानी पड़ी। अस्पताल में लंबे समय से मशीन खराब होने से समय पर जांच नहीं होती है। इसकी वजह से मरीज की बीमारी बढ़ जाती है और उसकी जान तक पर बन आती है। सीटी स्कैन सहित कई मशीनें खराब पड़ी कैंसर के मरीजों के लिए अस्पताल में मौजूद सीटी स्कैन की मशीन खराब है। पैट स्कैन की मशीन ठीक है तो स्टाफ की कमी से जांच नहीं हो पा रही है। ट्यूमर पर सटीक रेडियेशन देने में इस्तेमाल होने वाली लिनियर एक्सेलरेटर मशीन के खराब होने से भी मरीज परेशान हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एक महीने पहले 18 मार्च को कैंसर की नकली दवाओं के उत्पादन और बिक्री करने वाले गिरोह से जुड़े मनी लॉउन्ड्रिंग मामले की जांच के तहत दिल्ली-एनसीआर में 10 स्थानों पर छापेमारी की और 65 लाख रुपये नकद बरामद किए थे। अवैध दवा के व्यापार के सिलसिले में पुलिस ने आईआईटी-बीएचयू से ग्रेजुएशन करने वाले एक व्यक्ति और एक प्रतिष्ठित निजी अस्पताल के पूर्व कर्मी समेत 12 लोगों को गिरफ्तार किया था।

गाजा में इजरायली सेना का नया कांड खुला! अस्पताल में खुदाई से निकली 200 लाशें

गाजा, एजेंसी।
इजरायल और हमास के बीच युद्ध शुरू हुए 200 दिन से ज्यादा का वक्त हो गया है। गाजा शहर इजरायली सेना के कत्लेआम ने अमेरिका को भी भड़का रखा है। उसने उसकी एक बटालियन पर प्रतिबंधों की घोषणा की है। इस बीच गाजा में आईडीएफ का नया कांड सामने आया है। हमास अधिकारियों का आरोप है कि खान यूनिस अस्पताल में खुदाई के दौरान 200 से अधिक लाशें मिली हैं। हमास ने इजरायल पर अस्पताल को सामूहिक कब्रगाह बनाने का आरोप लगाया है। शवों की बर्बरता पर संयुक्त राष्ट्र भी भड़क गया है। उसका कहना है कि शवों में कुछ के हाथ बंधे हुए थे और कुछ के तन में कपड़े भी नहीं थे।

हमास के अधिकारियों ने दावा किया कि सैकड़ों निर्दोषों को इजरायली बलों ने मारकर अस्पताल में दफना दिया। हमास ने यहां सामूहिक कब्र होने का दावा किया है। हालांकि इजरायली सेना ने हमास के आरोपों को निराधार बताया और इस दावे को झूठा बताया है। टाइम्स ऑफ इजरायल की रिपोर्ट के मुताबिक, क्षेत्र में

इजरायली बलों और हमास आतंकियों के बीच लड़ाई के बीच फिलिस्तीनियों ने खुद पहले भी शवों को उस स्थान पर दफनाया था। इज़राइल रक्षा बलों ने हमास के आरोप को निराधार बताते हुए खारिज कर दिया। आईडीएफ के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि इजरायली बंधकों की तलाश कर रहे हमारे बलों ने नासिर अस्पताल के पास फिलिस्तीनियों द्वारा पहले दफनाए गए शवों की जांच की थी और जांच के बाद शवों को वहीं रख दिया था, जहां उन्हें दफनाया गया था। उधर, संयुक्त राष्ट्र अधिकार कार्यालय ने दावा किया है कि अस्पताल में खुदाई के दौरान बरामद कुछ शवों के हाथ बंधे हुए थे और कुछ के कपड़े उतारे हुए थे। आईडीएफ ने मामले में कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि हाल के महीनों में नासिर अस्पताल के क्षेत्र में अपने ऑपरेशन के दौरान, उसके सैनिकों ने इजरायली बंधकों का पता लगाने के लिए अस्पताल के मैदान में फिलिस्तीनियों द्वारा दफनाई गई लाशों की जांच की थी।

पाकिस्तान-ईरान ट्रेड पर अमेरिका नाराज

कहा- बिजनेस बढ़ाया तो पाक पर बैन लगाएंगे; दोनों देशों में 10 अरब डॉलर के व्यापार पर सहमति

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका ने पाकिस्तान को ईरान के साथ बिजनेस डील करने को लेकर वॉर्निंग दी है। अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को कहा है कि इसके बदले वो पाकिस्तान पर कई प्रतिबंध लगा सकता है। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता वेदांत पटेल ने कहा, जो भी ईरान के साथ व्यापार करेगा उस पर बैन लगने का खतरा है। हालांकि, पाकिस्तान को अपनी विदेश नीति को लेकर खुद फैसले लेने का हक है। दरअसल, ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी 22 अप्रैल को 3 दिन के दौरे पर पाकिस्तान पहुंचे थे। पाक पीएम शहबाज शरीफ के साथ बैठक के दौरान दोनों देशों के बीच ट्रेड को 10 अरब डॉलर पहुंचाने पर सहमति बनी थी। इसके अलावा दोनों ने अलग-अलग क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने से जुड़े 8 रूब्ध भी साइन किए थे। इससे कुछ दिन पहले अमेरिका ने पाकिस्तान के बैलिस्टिक मिसाइल प्राग्राम के लिए तकनीक और जरूरी सामानों की सप्लाई करने पर चीन की 3 कंपनियों पर बैन लगा दिया था। इसमें बेलारूस की भी एक कंपनी शामिल थी। अमेरिका ने बताया था कि कार्रवाई के तहत कंपनियों से जुड़ी सभी संपत्ति को सीज कर दिया गया है। वहीं इनके अफसरों की देश में एंट्री पर रोक लगा दी गई है। अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को इससे जुड़े एक सवाल के जवाब में कहा, प्रतिबंध इसलिए लगाए गए क्योंकि ये वो कंपनियां थीं, जो बड़े स्तर पर तबाही मचाने वाले हथियारों की सप्लाई का साधन थीं। इससे ऐसे हथियारों के इस्तेमाल को बढ़ावा मिल सकता है। हमारे पास सबूत हैं कि चीन और बेलारूस की कंपनियां पाकिस्तान को बैलिस्टिक मिसाइल प्रोग्राम के लिए जरूरी इक्विपमेंट और सामान सप्लाई कर रही थीं।

नासा के वॉयजर-1 ने 24 अरब किमी से भेजा सिग्नल

5 महीने पहले स्पेसशिप की चिप में दिक्कत आई थी; 46 साल पहले लॉन्च हुआ

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा के स्पेसक्राफ्ट वॉयजर-1 ने 24 अरब किलोमीटर की दूरी से सिग्नल भेजा है। पिछले 5 महीनों में यह पहली बार है, जब वॉयजर ने मैसेज भेजा है और नासा के इंजीनियर इसे पढ़ने में सफल रहे हैं। वॉयजर 1 को साल 1977 में अंतरिक्ष में भेजा गया था। यह इंसानों द्वारा बनाया गया वो स्पेसक्राफ्ट है जो अंतरिक्ष में सबसे दूरी पर मौजूद है।

इस स्पेसक्राफ्ट ने पिछले साल 14 नवंबर के बाद से सिग्नल भेजना बंद कर दिया था। हालांकि, वह पृथ्वी से भेजे गए कमांड रिसीव कर रहा था। दरअसल, डेटा इकट्ठा करने और उसे धरती पर भेजने के लिए जिम्मेदार स्पेसक्राफ्ट का फ्लाइट डेटा

सिस्टम एक लूप में फंस गया था। मार्च में नासा की टीम ने पाया कि स्पेसशिप की एक चिप में गड़बड़ी आ गई थी, जिसकी वजह से डेटा सिस्टम मेमोरी का 3 प्रतिशत हिस्सा करप्ट हो गया था। इसी कारण स्पेसशिप कोई भी पढ़ने लायक सिग्नल नहीं भेज पा रहा था। इसके बाद वैज्ञानिकों ने कोडिंग के जरिए चिप को ठीक कर दिया। 20 अप्रैल को वॉयजर ने जो सिग्नल भेजा उसमें उसने अपना हेल्थ और स्टेटस अपडेट दिया है। नासा के मुताबिक अब अगला कदम स्पेसक्राफ्ट से साइंस डेटा हासिल करना है। नासा ने वॉयजर-2 के बाद अंतरिक्ष में दूसरे ग्रहों की खोज के लिए वॉयजर-1 को लॉन्च किया था। इसे 5 सितंबर 1977 को लॉन्च किया गया था। फरवरी 1990 में इस एयरक्राफ्ट ने सोलर सिस्टम की पहली ओवरव्यू तस्वीर ली थी। इसके बाद 25 अगस्त 2012 को वॉयजर-1 इंटरस्टेलर स्पेस में प्रवेश कर गया था। पृथ्वी से मैसेज भेजने और फिर वॉयजर-1 से संदेश वापस आने में 48 घंटे का समय लगता है। दोनों वॉयजर स्पेसक्राफ्ट में गोल्डन रिकॉर्ड्स मौजूद हैं। इनमें सोलर सिस्टम का मैप, स्पेसक्राफ्ट पर रिकॉर्ड प्ले करने के लिए निर्देश और यूरेनियम का एक टुकड़ा शामिल है।

मंत्री मोहम्मद औरंगजेब का दावा, पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था मजबूत विकास की दिशा में बढ़ रही है

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के संघीय वित्त एवं राजस्व मंत्री मोहम्मद औरंगजेब ने मंगलवार को कहा कि देश की अर्थव्यवस्था सही दिशा में आगे बढ़ रही है। उन्होंने मजबूत आर्थिक विकास और समेकित सामाजिक विकास के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, औरंगजेब ने यहां एक व्यापार शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि देश और विदेश में ढेर सारी चुनौतियों के बावजूद पाकिस्तान ने समग्र दृष्टिकोण अपनाया है और आर्थिक संकेतकों में सुधार के लिए उपाय किए हैं, जो अर्थव्यवस्था के लिए आशावादी दृष्टिकोण का संकेत है।

उन्होंने कहा कि पिछले कुछ महीनों में देश के विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि देखी गई है और पाकिस्तान स्टॉक एक्सचेंज का प्रदर्शन उल्लेखनीय रहा है। सकारात्मक भावनाएं बाजार के विश्वास को बहाल करने में मदद कर रही हैं। इसके अलावा, औरंगजेब ने कहा कि प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को बढ़ावा देने के लिए विशेष नीतियां पेश की जा रही हैं और देश इस संबंध में अन्य देशों के साथ प्रभावी ढंग से जुड़ रहा है।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रकः- देवेन्द्र मालवीय द्वारा श्री सिंध्दी विनायक प्रिंटर्स 26 बी देशबंधु परिसर प्रेस काम्प्लेक्स झोन 1 एम पी नगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित एवं 773 / 19 मेघदूत नगर इंदौर म.प्र. से प्रकाशित सम्पादक डॉ. देवेन्द्र मालवीय
कार्यालय पताः-एच. 21 अंकित अपार्टमेंट ब्रजेश्वरी एनएक्स, इंदौर मध्यप्रदेश मोः- 98276-22204 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र इंदौर रहेगा।

दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त सूचनाए, विचार, आलेख विभिन्न समाचार के स्त्रोत एवं संकलन लेखकों के व संकलनकर्ता के स्वंय जिनका संकलन विभिन्न एजेंसियों, के माध्यम से किया गया है, अतः समस्त प्रकार के प्रकाशन हेतु संपादक, प्रकाशक, मुद्रक का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहमत होना अनिवार्य नही है।